website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 78 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 27 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो माओवादी ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के इंद्रावती नदी क्षेत्र में गुरुवार को सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो माओवादी मारे गए। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने घटनास्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। अधिकारियों के अनुसार माओवादियों

की मौजूदगी की पुख्ता खुफिया सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। तलाशी अभियान के दौरान इंद्रावती नदी क्षेत्र में सुरक्षाकर्मियों और माओवादियों के बीच गोलीबारी हुई, जिसमें दो वर्दीधारी माओवादी मारे गए। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि मुठभेड़ के बाद इलाके की तलाशी में दो माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। घटनास्थल से एसएलआर राइफल, आईएनएसए राइफल और 12 बोर बंदूक सहित कई हथियार जब्त किए गए हैं। इसके अलावा विस्फोटक सामग्री और माओवादी गतिविधियों से जुड़ा अन्य सामान भी बरामद किया गया है। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टालिंगम ने बताया कि आसपास के क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन अभी जारी है और विस्तृत रिपोर्ट बाद में जारी की जाएगी। इधर, दंतेवाड़ा जिले में नक्सल विरोधी अभियान के तहत अदालत ने दो माओवादियों को पांच-पांच साल के कठोर कारावास और 5,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। दोषियों की पहचान हुंगा उर्फ गुट्टम सोडी और जोगा कुदामी के रूप में हुई है, जिन्हें मई 2024 में गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने पाया कि दोनों के पास टिफिन बम और डेटोनेटर सहित विस्फोटक सामग्री मौजूद थी। जुर्माना अदा नहीं करने की स्थिति में दोनों को छह महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

बिहार में फर्जी शिक्षक पर हुई बड़ी कार्रवाई

टीचर बनने के लिए निकाला था जुगाड़ अब वसूला जाएगा पूरा वेतन

पटना (एजेंसी)। बिहार में लाखों युवा चौथे चरण की टीचर रिक्रूटमेंट एग्जाम के नोटिफिकेशन का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच बीपीएससी टीआरई- 1 में फर्जी तरीके टीचर बनने का मामला सामने आया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी, पूर्णिया की ओर से जारी एक अधिसूचना में फर्जी शिक्षक पर बड़ी कार्रवाई की सूचना दी गई। साथ ही बताया कि गलत तरीके से टीचर बनने वाले को न सिर्फ सरकारी नौकरी से निकाले जाएगा, बल्कि पूरा वेतन भी वसूला जाएगा। दरअसल, बीपीएससी टीआरई- 1 में

विजय कुमार के नाम शख्स को कंप्यूटर साइंस टीचर की नौकरी मिली थी। वह पूर्णिया के स्कूल में 11वीं- 12वीं क्लास को कंप्यूटर साइंस पढ़ा रहे थे लेकिन अब सामने आया है कि विजय ने टीचर बनने के लिए जुगाड़ निकाला था। जांच में पता चला कि कंप्यूटर साइंस टीचर विजय ने साल 2019 में राज्य शिक्षक पात्रता परीक्षा दिया था, लेकिन उनके पास मास्टर्स की डिग्री नहीं थी। विजय कुमार ने बिना पीजी डिग्री पेपर-2 के आधार पर बीपीएससी टीआरई- 1 एग्जाम दिया, जो अगस्त 2023 में हुआ था और जनवरी 2024 में नियुक्तियां हुई थीं। इनमें विजय कुमार को उत्क्रमित उच्च विद्यालय चपय गंगेली, के नगर, पूर्णिया में कंप्यूटर साइंस 11- 12 पद पर नियुक्ति मिल गई। बाद में सामने आया है कि विजय कुमार ने फर्जी तरीके से बीपीएससी शिक्षक की नौकरी प्राप्त की है।

एनसीईआरटी किताब में 'ज्यूडीशियल करप्शन' पर संग्राम

● चैप्टर पर सीजेआई का ऐक्शन,कहा-बदनाम करने की इजाजत नहीं ● चीफ जस्टिस बोले-यह सोचा-समझा कदम लग रहा,केस खुद देखूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एनसीईआरटी की 8वीं कक्षा की किताब में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' का चैप्टर शामिल किए जाने पर नाराजगी जताई है। सीजेआई ने कहा- किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। बुधवार को सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस विपुल एम पंचोली और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच में यह मामला सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने उठाया था। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा-मुझे इसकी पूरी जानकारी है। यह पूरे ज्यूडीशियल इंस्टीट्यूशन के लिए चिंता की बात है। यह सोचा-समझा कदम लग रहा है। मैं किसी को भी, चाहे वे कितने भी ऊंचे पद पर क्यों न हों, इंस्टीट्यूशन को बदनाम नहीं करने दूंगा। मैं इस मामले पर खुद नोटिस ले रहा हूं। इंडिया एंड बियॉन्ड पार्ट 2' में 'द रोल ऑफ द ज्यूडीशियरी इन अवर सोसायटी' टॉपिक के अंदर ज्यूडिशियरी में करप्शन का टॉपिक जोड़ा है। इसका पहला पार्ट जुलाई 2025 में रिलीज किया गया था। ये किताब एकेडमिक सेशन 2026-27 से स्कूलों में पढ़ाई जानी है।

● किताब में पूर्व सीजेआई बीआर गवई का भी जिक्र

किताब में भारत के पूर्व चीफ जस्टिस बीआर गवई का भी जिक्र है, जिन्होंने जुलाई 2025 में कहा था कि ज्यूडिशियरी के अंदर करप्शन और गलत कामों के मामलों का पब्लिक ट्रस्ट पर बुरा असर पड़ता है। उन्होंने कहा था, हालांकि, इस ट्रस्ट को फिर से बनाने का रास्ता इन मुद्दों को सुलझाने के लिए उठाए गए तेज, निर्णायक और ट्रांसपेरेंट एक्शन में है... ट्रांसपेरेंसी और अकाउंटेबिलिटी डेमोक्रेटिक गुण हैं। एनसीईआरटी की 8वीं क्लास की सोशल साइंस का पार्ट 2 इसी हफ्ते जारी हुआ है। सीजेआई की टिप्पणी के बाद फिलहाल ये किताब एनसीईआरटी की वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं है।

● **किताब में लिखा, इंसाफ में देरी नाइंसाफी की तरह है-** सोशल साइंस की इस किताब में लिखा गया है- इंसाफ में देरी नाइंसाफी की तरह है। यहां सुप्रीम कोर्ट में 81 हजार, हाईकोर्ट्स में 62 लाख 40 हजार, डिस्ट्रिक्ट और सबऑर्डिनेट कोर्ट के 4 करोड़ 70 लाख पेंडिंग केस की संख्या भी बताई गई है। सीनियर वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक एम सिंघवी ने सीजेआई की बेंच के सामने कहा- बच्चों को ज्यूडिशियरी में करप्शन का सब्जेक्ट ऐसे पढ़ाया जा रहा है जैसे यह कहीं और, किसी और इंस्टीट्यूशन में है ही नहीं। यह चिंता का विषय है। हम यहां बार काउंसिल की चिंता लेकर आए हैं। दोनों वकीलों ने कहा, किताब में ब्यूरोक्रेसी, पॉलिटिक्स वगैरह को छोड़ दिया है। दूसरे सेक्टर्स पर एक शब्द भी नहीं। वे ऐसे पढ़ा रहे हैं जैसे यह सिर्फ इसी इंस्टीट्यूशन में है। जवाब में सीजेआई ने कहा, प्लीज थोड़ा इंतजार करें। मुझे बार और बेंच दोनों से बहुत सारे कॉल, मैसेज आ रहे हैं। सभी हाईकोर्ट के जज समेत सिस्टम का हर स्टेकहोल्डर परेशान है। मैं इस मामले को खुद देखूंगा। कानून अपना काम करेगा। बेंच में शामिल जस्टिस बागची ने भी कहा कि यह किताब बेसिक स्ट्रक्चर के ही खिलाफ लगती है।

भारत बना रहा बेबी ब्रह्मोस

20 गुना कम है कीमत

● भविष्य की जंग की तैयारी, सुरक्षा का नया फॉर्मूला

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने साफ कर दिया है कि भविष्य की जंग अब महीनों और सालों खिंचेगी। इस हकीकत को देख भारत भी तैयारी में जुट गया है। सेना का फोकस अब केवल महंगी मिसाइलों पर नहीं, बल्कि इनके 'मिनी मॉडल्स' के बड़े भंडार पर है। हाल ही में पिनाका रॉकेट सिस्टम के 'हवाई संस्करण' के परीक्षण को इसी कड़ी का हिस्सा माना जा रहा है। दरअसल, ब्रह्मोस जैसी अचूक सटीकता और मारक क्षमता के कारण इसे 'बेबी ब्रह्मोस' भी कहा जा रहा है।

हाल ही में सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने इस बदलाव को जरूरी बताते हुए कहा कि अगर हमारे पास किफायती लेकिन उच्च तकनीक वाले हथियार होंगे, तो हम लंबी जंग (हाई डेंसिटी वार) में किसी भी बड़े दुश्मन को पीछे धकेलने में सक्षम होंगे।

रिपोर्ट-कम लागत में देश में बनें हथियार- संसद की रक्षा संबंधी स्थायी समिति ने भी अपनी हालिया रिपोर्ट में इस रणनीति पर सकारात्मक रुख दिखाया है। समिति ने जोर दिया है कि भीषण और लंबे युद्ध की स्थिति में भारत को ऐसे हथियारों की जरूरत है जो बड़े पैमाने पर और कम लागत में देश के भीतर ही बनाए जा सकें। इसी नीति के तहत बजट में आवंटित राशि का एक बड़ा हिस्सा स्वदेशी खरीद के लिए सुरक्षित रखा गया है ताकि युद्ध के समय विदेशी सप्लाई चेन पर निर्भर न रहना पड़े।

ये भी तैयारी

इजराइल से 'आयरन बीम' मिलेगा

स्वदेशी ताकत के साथ भारत इजराइल से 'आयरन बीम' जैसी लेजर आधारित प्रणाली हासिल करने की ओर बढ़ रहा है। यह तकनीक चंद रुपयों की बिजली खर्च कर रॉकेटों को हवा में जला देती है। दूसरी ओर, भारत छोटे हथियारों के हब बनने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। आर्मेनिया के बाद अब फ्रांस ने पिनाका रॉकेट सिस्टम (बेबी ब्रह्मोस का वर्जन) में गहरी रुचि दिखाई है।

जंग में टिके रहने के लिए जरूरी स्वदेशी हथियार

इजरायल-हमास जंग में इजरायल को चंद हजार के रॉकेट गिराने के लिए 50 लाख की मिसाइलें खर्च करनी पड़ीं। यूक्रेन-सूडान में सस्ते ड्रोन्स ने करोड़ों के टैंकों को मलबे में बदल चौंका दिया। वहीं, म्यांमार में विद्रोहियों ने जुगाड़ से बड़े हमलों को नाकाम किया। इनसे सबक मिला कि जंग केवल बड़े हथियारों से नहीं, बल्कि सस्ते, स्वदेशी और हथियारों के बड़े भंडार से जीती जा सकती है। यह बड़े हथियार अब भारत बनाने की तैयारी में जुट गया है।

भारत और इजरायल के बीच आयरन डोम पर डील 'पक्की', क्षेत्रीय समीकरण बदलने के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बीच आज आयरन डोम पर बात बन सकती है। अगर दोनों देशों के बीच आयरन डोम को लेकर मुहर लग गई, देश की सुरक्षा में एक बड़ा कदम होगा। दरअसल, 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत ने अपने स्वदेशी हथियारों की ताकत दिखाकर दुश्मनों के हर हमले को नाकाम कर दिया। यहां तक कि पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके इजरायली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू गुरुवार को किंग डेविड होटल में एक बड़ी द्विपक्षीय मीटिंग करने से पहले 'यद वाशेम' जाएंगे। दोनों नेताओं के बीच इस चर्चा में भारत-इजरायल रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा पर फोकस रहेगा। इसमें रक्षा, विज्ञान और तकनीक, व्यापार और लोगों के बीच मेलजोल में सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। इसके अलावा, दोनों नेता जरूरी क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर भी विचार साझा करेंगे। इस दौरान दोनों नेता आर्थिक, सुरक्षा और कूटनीतिक क्षेत्रों में कई

एमओयू पर हस्ताक्षर करेंगे। इसका मकसद दोनों देशों के बीच सहयोग को और बढ़ाना है। साइनिंग सेरेमनी के बाद, प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री नेतन्याहू मीडिया में संयुक्त बयान जारी करेंगे।भारत का ध्यान आयरन डोम टेक्नोलॉजी हासिल करने के लिए इजरायल के साथ रणनीतिक साझेदारी पक्की करने पर केंद्रित है। प्रस्तावित व्यवस्था सीधे-सीधे खरीद से कहीं आगे है और इसे भारत के स्वदेशी 'मिशन सुदर्शन चक्र' का एक मुख्य हिस्सा माना जा रहा है। इसे प्रोजेक्ट कुशा के नाम से भी जाना जाता है। इजरायल ने "मेक इन इंडिया" पहल के तहत भारत को आयरन डोम टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करने का ऑफिशियल ऑफर दिया है। इससे स्थानीय प्रोडक्शन और कम दूरी के रॉकेट, मोर्टार और ड्रोन का मुकाबला करने के लिए डिजाइन किए गए मल्टी-लेयर्ड एयर डिफेंस सिस्टम में इंटीग्रेशन हो सकेगा। आयरन डोम के साथ-साथ, भारत इजरायल के नए आयरन बीम लेजर-बेस्ड सिस्टम में भी गहरी दिलचस्पी दिखा रहा है। इसे कम लागत वाले हवाई खतरों के खिलाफ एक कॉस्ट-इफेक्टिव, लाइट-स्पीड सॉल्यूशन के तौर पर देखा जा रहा है। इसका उद्देश्य भारतीय शहरों और अहम बुनियादी ढांचे को उच्च सफलता दर वाली सुरक्षा ढाल के माध्यम से सुरक्षित करना है, जो एस-400 जैसे लंबी दूरी के रक्षा प्लेटफॉर्म का पूरक बनेगी। व्यापक लक्ष्य 2030 तक एक "अभेद्य" राष्ट्रीय सुरक्षा कवच तैयार करना है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ठिकानों को तबाह करने के लिए स्वदेशी हथियारों और आधुनिक विदेशी हथियारों का इस्तेमाल किया था। ब्रह्मोस, हैमर गाइडेड बम, राफेल, सुखोई एसयू-30एमकेआई और मिराज 2000 के जरिए भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था।

सिर्फ ड्रेस पहनकर खुद को हिंदू बता रहे कुछ बड़े लोग

● शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा-खतरे में है हिंदुत्व

प्रयागराज पुलिस ने काशी में जमाया डेरा,होगी पूछताछ!

वाराणसी (एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बच्चों के यौन शोषण मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद प्रयागराज पुलिस पिछले तीन दिनों से वाराणसी में डेरा डाले हुए है। पुलिस उनसे पूछताछ कर सकती है, हालांकि अभी तक आश्रम नहीं पहुंची है। सूत्रों के मुताबिक, प्रयागराज पुलिस फिलहाल शंकराचार्य से जुड़े सबूत जुटाने में लगी है। मामला हाई-प्रोफाइल होने के कारण पुलिस फूंक-फूंककर कदम आगे बढ़ा रही है। उधर, बुधवार को शंकराचार्य ने एक बार फिर मीडिया से बात की। उन्होंने कहा,हिंदुत्व खतरे में है। जब केवल ड्रेस पहनकर लोग खुद को हिंदू बताने लगेंगे और बार-बार हिंदू-हिंदू कहेंगे, तो हिंदू को खतरा होना स्वाभाविक है।

शंकराचार्य के समर्थन में कांग्रेस, किया विरोध प्रदर्शन

बनारस (एजेंसी)। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के अपमान और उत्पीड़न के आरोपों को लेकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पूरे प्रदेश में प्रदर्शन कर रही है। काशी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने

शंखनाद कर सरकार को चेतावनी दी। पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की करते हुए कार्यकर्ता डीएम पोर्टिको तक पहुंच गए और जमकर नारेबाजी की। आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शंकराचार्य के पोस्टर लहराए, जबकि लखनऊ में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश को घुसपैठियों से मुक्त करना मोदी सरकार का दृढ़ संकल्प है और एक-एक घुसपैठिए की पहचान कर उन्हें भारत से बाहर

किया जाएगा। बिहार के अररिया में बॉर्डर आउट पोस्ट 'लेटी' और 'इंदरवा' के उद्घाटन कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत-नेपाल सीमा सड़क योजना के तहत 556 किमी लंबी सड़क स्वीकृत हुई है, जिससे सीमा सुरक्षा और निगरानी क्षमता मजबूत होगी। अमित शाह ने सशस्त्र सीमा बल की सराहना करते हुए सीमांत गांवों के साथ बेहतर समन्वय पर जोर दिया, ताकि संदिग्ध गतिविधियों की समय पर जानकारी मिल सके। उन्होंने बताया कि सीमा से 10 किलोमीटर के दायरे में अवैध अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जाएगा। शाह ने कहा कि घुसपैठ राष्ट्रीय सुरक्षा, रोजगार और गरीबों के अधिकारों के लिए गंभीर चुनौती है और सीमांचल क्षेत्र में जल्द विशेष अभियान शुरू किया जाएगा।

महाराष्ट्र राज्यसभा चुनाव में बड़ा उलटफेर! विपक्ष की 1 सीट पर शरद पवार नहीं कांग्रेस लड़ेगी चुनाव?

मुंबई। महाराष्ट्र में 7 सीटों के राज्यसभा चुनाव को लेकर महा विकास अघाड़ी के घटक दल कांग्रेस और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) के नेताओं के बीच एक अहम बैठक हुई। इस बैठक के बाद गठबंधन में दुविधा की स्थिति बन गई है, क्योंकि दोनों पार्टियों ने एक ही राज्यसभा सीट पर दावा ठोक दिया है। बैठक में कांग्रेस नेताओं ने राज्य की राजनीति के बजाय राष्ट्रीय सियासी समीकरणों को प्राथमिकता देने की बात कही। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस नेताओं का मानना है कि राज्यसभा में पार्टी के सदस्यों की संख्या बढ़ाना समय की जरूरत है। इसी वजह से पार्टी ने यह रुख अपनाया है कि राष्ट्रीय स्तर पर अपनी ताकत मजबूत करने के लिए यह सीट कांग्रेस को मिलनी चाहिए। नेताओं ने यह भी स्पष्ट किया कि यह सीट कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन चुकी है।

शरद पवार पर NCP का जोर

दूसरी ओर नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) के नेताओं ने शरद पवार के लंबे संसदीय अनुभव का मुद्दा उठाया है। NCP नेताओं का कहना है कि शरद पवार देश

के वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं और राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी का प्रभाव बनाए रखने के लिए उनका राज्यसभा जाना जरूरी है। NCP (SCP) इस मामले में शरद पवार की व्यक्तिगत इच्छा जानने के बाद ही अपनी अंतिम राय सामने रखेगी।

शिवसेना यूबीटी से बात करेगी कांग्रेस!

हालांकि दोनों पार्टियां अपनी-अपनी मांग पर कायम हैं, लेकिन अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हो पाया है। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस ने NCP को बताया है कि वह इस मुद्दे पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) से चर्चा करेगी और उसके बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। NCP के जयंत पाटिल आज शरद पवार से मुलाकात कर बैठक की जानकारी देंगे। इसके बाद वह उद्धव ठाकरे से भी मिलेंगे और समय मांगा है।

आरएसएस की अहम बैठक में नितिन नवीन की पहली मौजूदगी, भाजपा में बदलाव के संकेत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था 'अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा' की महत्वपूर्ण बैठक अगले महीने हरियाणा के समालखा में आयोजित होगी। तीन दिनों तक चलने वाली इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पहली बार हिस्सा लेंगे। जनवरी 2026 में भाजपा की कमान संभालने के बाद यह उनका पहला आधिकारिक संघ दौरा होगा, जिसे राजनीतिक रूप से बेहद अहम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार इस बैठक से पहले भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में बड़े बदलाव की संभावना जताई जा रही है। समालखा में होने वाली बैठक में भाजपा प्रतिनिधिमंडल में कई नए चेहरों को शामिल किया जा सकता है। इसे आगामी चुनावों की रणनीति और संगठन को नई दिशा देने की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।

बैठक का मुख्य फोकस संघ के शताब्दी वर्ष (1925-2025) से जुड़े कार्यक्रमों की समीक्षा पर रहेगा। देशभर में आयोजित अभियानों, गृह-संपर्क कार्यक्रमों और विभिन्न आयोजनों के अनुभव साझा किए जाएंगे। संघ नेतृत्व यह भी आकलन करेगा कि शताब्दी वर्ष के दौरान तय किए गए लक्ष्यों को किस हद तक पूरा किया गया है और समाज में संगठन की पहुंच कितनी बढ़ी है। बैठक में वर्ष 2025-26 के कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी वर्ष की कार्ययोजना और प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर भी चर्चा होगी। सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्ताव पारित होने की संभावना है। इस महत्वपूर्ण बैठक में सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित संघ के शीर्ष पदाधिकारी और भाजपा समेत संघ से प्रेरित 32 संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

हद से ज्यादा आत्मनिर्भरता (Hyper-Independence) कहीं आपको बीमार तो नहीं बना रही?

- मनोवैज्ञानिकों की चेतावनी: सब कुछ अकेले करने की जिद ताकत नहीं, बल्कि पुराने ट्रॉमा और अकेलेपन की निशानी है; जानिए इस जाल से निकलने के रास्ते

जयपुर | रॉयल पत्रिका डेस्क
आज के दौर में 'आत्मनिर्भरता' को कामयाबी और मजबूती का सबसे बड़ा पैमाना माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जरूरत से ज्यादा खुद पर निर्भर रहना—जिसे मनोविज्ञान की भाषा में 'हाइपर इंडिपेंडेंस' कहते हैं—असल में एक मानसिक बोझ है? लंदन की रहने वाली सियोन जोंस की कहानी इसका सटीक उदाहरण है। जब उनके पिता आईसीयू में भर्ती हुए, तो उन्होंने डॉक्टरों से बात करने से लेकर इलाज के नोट्स बनाने तक की सारी जिम्मेदारी अकेले उठा ली। अत्यधिक तनाव के कारण उनके बाल झड़ने लगे, लेकिन उन्होंने अपनों से मदद नहीं मांगी। यह व्यवहार ताकत नहीं, बल्कि एक छिपी हुई कमजोरी है जो रिश्तों और सेहत को खत्म कर रही है।

क्यों बनती है 'सब कुछ खुद करने' की आदत? प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक कैथलीन सैक्टन कहती हैं कि यह समस्या अक्सर बचपन के अनुभवों से जुड़ी होती है। जब माता-पिता भावनात्मक रूप से मौजूद या भरोसेमंद नहीं होते, तो बच्चा समय से पहले परिपक्व हो जाता है और खुद पर निर्भर रहना सीख लेता है।

धीरे-धीरे यह एक रक्षा कवच बन जाता है कि 'किसी पर भरोसा नहीं करना, सब खुद ही संभालना है'। यह 'पूर्णता' (Perfectionism) का जाल है जो व्यक्ति को थकावट और रिश्तों से दूरी की ओर धकेलता है।

हाइपर इंडिपेंडेंस के नुकसान: ताकत या कमजोरी?
अकेलापन: आप भीड़ में होकर भी खुद को अकेला महसूस करते हैं क्योंकि आप किसी को अपने करीब आने या मदद करने का मौका नहीं देते।
शारीरिक और मानसिक थकान: हर जिम्मेदारी का बोझ अकेले उठाने से 'बर्नआउट' की स्थिति पैदा होती है, जिससे तनाव और बाल झड़ने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।
रिश्तों में दरार: जब आप मदद नहीं मांगते, तो आपके करीबियों को लगता है कि उनकी आपकी जिंदगी में कोई जरूरत नहीं है, जिससे दूरियां बढ़ती हैं।

बदलाव की शुरुआत: छोटे कदम, बड़ी राहत
लाइफ कोच और पॉडकॉस्टर उर्वशी लाड ने 43 साल तक अकेले रहने के बाद थेरेपी और जर्नलिंग से खुद को बदलना सीखा। उन्होंने पहली बार किसी को अपने लिए कॉफी खरीदने दी, तो उन्हें असहज लगा। लेकिन यही छोटी शुरुआत उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाई। अब वे शादी करने जा रही हैं और अन्य महिलाओं को भी मदद मांगने के लिए प्रेरित करती हैं।

विशेषज्ञों की सलाह: कैसे तोड़ें आत्मनिर्भरता का यह चक्र?
जानबूझकर मदद मांगें: कैथलीन सुझाव देती हैं कि डर छोड़ें कि दूसरे आपको निराश करेंगे। जानबूझकर छोटे-छोटे कामों में दूसरों की मदद लें। नतीजे मनचाहे न भी हों, तो भी उसे स्वीकार करना सीखें।
बडी सिस्टम अपनाएं: मनोवैज्ञानिक डॉ. सारा हार्सटिच कहती हैं कि किसी ऐसे दोस्त या पार्टनर को चुनें जो आपसे अलग क्षेत्र में काम करता हो। हफ्ते में एक बार उनके साथ बैठकर अपने काम के बोझ को साझा करें और उनसे कम से कम एक सलाह जरूर मांगें।
भरोसे का निर्माण: मनोवैज्ञानिक नादिया रहमान के अनुसार, यह समझना जरूरी है कि इंसान सामाजिक प्राणी है और आपसी सहयोग के लिए बना है। जब भी कोई चुनौती आए, तो खुद से कहें—'इसे अकेले नहीं, मिलकर हल करना है'।
थेरेपी का सहारा: अगर यह आदत बहुत पुरानी है, तो 'ट्रॉमा-आधारित थेरेपी' लें। यह पुराने कड़वे अनुभवों को सुलझाकर दूसरों पर भरोसा करने की क्षमता विकसित करती है।
निष्कर्ष: आत्मनिर्भर होना गर्व की बात है, लेकिन दूसरों का साथ लेना कमजोरी नहीं बल्कि सामान्य मानवीय व्यवहार है। काम का बोझ बांटना सीखें, क्योंकि खुशियाँ और चुनौतियां साझा करने से ही जीवन सरल बनता है।

रॉयल पत्रिका
संपादकीय....

एआई महाकुंभ... आत्मनिर्भरता की धज्जियां

मोदी सरकार और इवेंट एक समीकरण बन गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी खुद भी इस समीकरण में रहना पसंद करते हैं इसलिए कार्यक्रम या गतिविधि चाहे जो भी हो उसमें उनका व्यवहार उत्सव या इवेंट जैसा ही होता है। नई दिल्ली में आयोजित विश्व प्रदर्शनी 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट, २०२६' की भी तस्वीर कोई अलग नहीं रही इसलिए पिछले सरकारी प्रायोजित 'इवेंट' का जो हश्र हुआ, वही इस 'एआई समिट' का भी हुआ। करने गए कुछ और हुआ कुछ, वही हाल इस उत्सव का भी हुआ। जब गलगोटिया विश्वविद्यालय द्वारा की गई धोखाधड़ी का पर्दाफाश हुआ तो वैश्विक वाह-वाही तो दूर भारत को दुनियाभर में बदनामी झेलनी पड़ी। इस 'समिट' का पहला दिन योजना में गड़बड़ी के लिए मशहूर रहा। दूसरा दिन भारत की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान बन गया। जब दिल्ली के गलगोटिया विश्वविद्यालय द्वारा की गई धोखाधड़ी का खुलासा हुआ तो न केवल सरकार बल्कि देश की प्रतिष्ठा भी धूमिल हो गई। इस विश्वविद्यालय ने एआई आधारित रोबोटिक डॉग को विकसित करने का दावा करते हुए एक प्रदर्शनी लगाई थी। हालांकि, बाद में पता चला कि डॉग वास्तव में चीन में बनाया गया था। इस मामले की धूल अभी बैठी ही थी कि उसी विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत 'सॉकर ड्रोन' भी विवादों में घिर गया। पता चला कि यह ड्रोन वास्तव में दक्षिण कोरियाई कंपनी हेलसेल ग्रुप द्वारा विकसित किया गया था। बाद में इस विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों को निष्कासित कर दिया गया, लेकिन इस मामले में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी
मंत्रालय की इस कार्रवाई को 'चिड़िया चुग गई खेत' ही कहा जाएगा। इस समिट के अवसर पर मोदी समर्थक हवा में गुब्बारे उड़ाते हुए यह बता रहे थे कि मोदी किस तरह एक दूरदर्शी नेता हैं और उनके कारण देश किस प्रकार से 'डिजिटल छलांग' लगा रहा है। बेशक, न तो उन्हें और न ही मोदी को इस बात का अफसोस है कि ये गुब्बारे हवा में फूट गए। इसके विपरीत, उन्होंने दुनियाभर की एआई कंपनियों के सीईओ के सामने प्रवचन दिया कि 'एआई नैतिक दिशा-निर्देशों पर आधारित होना चाहिए'।
घोड़े को काबू में करने
की उन्होंने कोशिश की। इसके लिए उन्होंने 'एआई महाकुंभ' आयोजित करने का बड़ा प्रयास किया। चूंकि एआई वर्तमान और भविष्य है इसलिए इतना बड़ा प्रयास करने में कोई समस्या नहीं थी, लेकिन गलगोटिया विश्वविद्यालय के फर्जीवाड़े के चलते भारत की जो दुनिया के सामने 'बेइज्जती' हुई है उसका क्या?

दिवस विशेष
आचार्य दीप चन्द भारद्वाज

प्रखर राष्ट्रभक्त क्रांतिवीर थे विनायक दामोदर सावरकर

विनायक दामोदर सावरकर एक प्रमुख भारतीय क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, लेखक, कवि, वकील तथा प्रखर राष्ट्रभक्त नेता थे। इनका जन्म 28 मई 1883 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के भागपुर गांव में मध्यवर्गीय परिवार में हुआ था। सावरकर बाल्यकाल से ही उत्कृष्ट प्रतिभा के धनी थे। स्कूली शिक्षा के दौरान ही उनका साहित्य के क्षेत्र में पदार्पण हो गया था। दस वर्ष की आयु में ही उनकी कविताएं प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में प्रकाशित होने लगी थी। ब्रिटिश सरकार से स्वतंत्रता के उद्देश्य से सावरकर ने वर्ष 1899 में मात्र 16 वर्ष की आयु में मित्र मेला नामक संगठन का गठन किया। बाद में संगठन का नाम बदलकर अभिनव भारत रख दिया गया। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सावरकर लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, विपिन चंद्र जैसे कट्टरपंथी राजनीतिक नेताओं से प्रेरित थे।

उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण करने के बाद पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज में दाखिला लिया और कला स्नातक की डिग्री हासिल की इसके बाद वह कानून की पढ़ाई करने के लिए इंग्लैंड गए। इंग्लैंड जाकर भी इस राष्ट्रभक्त ने भारतीय छात्रों को स्वाधीनता हेतु प्रेरित किया और 1906 में फ्री इंडिया सोसाइटी की स्थापना की, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश सरकार को उखाड़ना था। वर्ष 1909 में वीर सावरकर को मिंटो मार्ले रिफार्म के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह की साजिश रचने के आरोप में वारंट जारी किया गया। वर्ष 1910 में क्रांतिकारी समूह इंडिया हाउस के साथ संबंधों के लिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उन्हें ब्रिटिश सरकार द्वारा 50 वर्ष की जेल की कठोर सजा सुनाई गई। 4 जुलाई 1911 को सावरकर को अंडमान निकोबार द्वीप सेल्यूलर जेल ले जाया गया। 27 वर्ष की आयु में सावरकर को दो बार काले पानी की सजा सुनाई गई थी। अंग्रेज सावरकर को दिनभर कोल्हू में बैल की जगह हांकते, तेल पिसवाते, रस्सी बंटवाते। इन समस्त यातनाओं को सहते हुए भी सावरकर जेल में कैदियों के भीतर राष्ट्र भक्ति की भावनाएं सुदृढ़ करते रहे। जेल की दीवारों पर इन्होंने कील और पत्थरों से 6000 राष्ट्रभक्ति से उत्प्रोत कविताएं लिख दी थी। भीषण अमानवीय यातनाओं के दौर को झेलते हुए वे जेल में बंद कैदियों को समझाते थे कि - 'धीरज रखो, एक दिन आएगा, जब यह जगह तीर्थ स्थल बन जाएगी। आज भले ही हमारा पूरे विश्व में मजाक बन रहा हो, एक समय ऐसा होगा, जब लोग कहेंगे कि देखो, इन्हीं काल कोठरियों में हिंदुस्तानी कैदी बंद थे। उन्हीं कैदियों की यहां प्रतिमाएं होंगी'। ये कलम और दिमाग दोनों से अंग्रेजों से लड़ने वाले क्रांतिकारी थे। सावरकर पहले इतिहासकार थे, जिन्होंने 1857 की लड़ाई को प्रथम स्वाधीनता संग्राम कहा था। सावरकर ने ही यह साबित किया था कि यह सैनिक विद्रोह नहीं प्रथम स्वाधीनता संग्राम था। उसने सभी अमर बलिदानियों की गाथा जन-जन तक पहुंचाई। भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों ने भी सावरकर द्वारा रचित प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 पुस्तक से प्रेरणा प्राप्त की। दुनिया में ऐसी कौन सी पुस्तक है जिसे प्रकाशन से पहले ही प्रतिबंधित किया गया हो। अंग्रेज सावरकर की इस पुस्तक से इतने भयभीत थे कि उन्होंने हर एक प्रयास किया, ताकि यह पुस्तक भारत तक न पहुंच सके। और जब सावरकर की यह पुस्तक क्रांतिकारियों में पहुंची तो क्रांति की ज्वाला में घी की आहुति पड़ गई। वर्ष 1924 में जेल से रिहा होने के बाद सावरकर समाज सुधार कार्य में लग गए। यह हिंदुत्व के प्रखर चिंतक थे। सावरकर जातिवाद के घोर विरोधी थे। रत्नागिरी में इन्होंने पतित पावन मंदिर की स्थापना की और छुआछूत मिटाने का कार्य किया। इनका संपूर्ण जीवन भारतीय स्वाधीनता एवं हिंदुत्व को समर्पित रहा। सावरकर ने 1937 में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के अध्यक्ष बनकर हिंदुओं की सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित किया था। सावरकर को ओजस्वी वक्ता के रूप में भी जाना जाता है, अपने समर्थकों पर उनकी अमिट छाप थी। सावरकर ने दृढ़ता पूर्वक यह कहा था कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है और जो एक रक्त में बंधे हैं।

इनका चिंतन था कि हमारी सभ्यता और संस्कृति के आदर्श प्रत्येक भारतवासी के लिए वंदनीय हैं। सावरकर ने अपनी युवावस्था भारतीय स्वाधीनता हेतु सेलुलर जेल की काल कोठरी में कठोर अमानवीय यातनाएं सहकर मृत्यु पर्यंत भारतीय हिंदू संस्कृति के उद्धार हेतु कार्य किया। 26 फरवरी 1966 को मुंबई में इस महान देशभक्त ने अंतिम श्वास ली। निडर स्वतंत्रता सेनानी एवं हिंदुत्व के सूत्रधार सावरकर का संपूर्ण जीवन मातृभूमि को समर्पित रहा।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जन्म व मृत्यु के उपरांत समाप्त होती है यात्रा

संकलित
दर्शन

शरीर में समाहित ऊर्जापुंज को आत्मा कहा गया है। यह आत्मा अनंत ऊर्जा अर्थात परमात्मा का एक अति सूक्ष्म अंशमात्र है। भौतिक जगत में रहते हुए यह भौतिक शरीर एक यात्री के सदृश होता है। शरीर के जन्म के साथ ही यात्रा प्रारंभ होती है एवं मृत्यु के उपरांत समाप्त हो जाती है। अर्थात भौतिक शरीर के लिए जीवन एक यात्रा के समतुल्य है। जन्म के साथ ही ऊर्जापुंज अर्थात आत्मा भौतिक शरीर से संयुक्त होकर उसकी यात्रा में सहयात्री की भूमिका का निर्वहन करने लगता है एवं मरणोपरांत स्वयं को यात्रा से अलग कर लेता है। यह कहा जा सकता है कि भौतिक शरीर की यात्रा का आदि और अंत स्पष्टतः ज्ञात होता है, परंतु ऊर्जापुंज जिसे आत्मा कहकर संबोधित किया जाता है, अपनी यात्रा के आदि और अंत से सर्वथा अपरिचित होता है। आत्मा की यात्रा कब और क्यों प्रारंभ हुई तथा कब और क्यों पूर्ण होगी? इन प्रश्नों का हल आज भी एक चुनौती के रूप में खड़ा है। ऊर्जापुंज अगणित भौतिक शरीरों की भौतिक यात्रा में सहयात्री की भूमिका को निभाता हुआ अपनी अनंत दिव्ययात्र को जारी रखता है। अर्थात आत्मा की इस अलौकिक यात्रा में अनंत लौकिक यात्राएं शामिल होती हैं। इस अलौकिक यात्रा के संबंध में केवल इतना ही कहा जा सकता है कि यह यात्रा अनंत से प्रारंभ होकर अनंत पर ही पूर्ण होगी, किंतु अनंत को परिभाषित करना भी असंभव है। अनंत को अज्ञात का पर्याय माना जा सकता है।

जीवन में, सब ईश्वर की दया ही है

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक अमीर सेठ के यहाँ एक नौकर काम करता था, अमीर सेठ अपने नौकर से तो बहुत खुश था, लेकिन जब भी कोई कटु अनुभव होता तो वह भगवान को अनाप शनाप कहता और बहुत कोसता था। एक दिन वह अमीर सेठ ककड़ी खा रहा था, संयोग से वह ककड़ी कच्ची और कड़वी थी। सेठ ने वह ककड़ी अपने नौकर को दे दी। नौकर ने उसे बड़े चाव से खाया जैसे वह बहुत स्वादिष्ट हो। अमीर सेठ ने पूछाः ककड़ी तो बहुत कड़वी थी, भला तुम ऐसे कैसे खा गये? नौकर बोलाः आप मेरे मालिक है, रोज ही स्वादिष्ट भोजन देते है, अगर एक दिन कुछ बेस्वाद या कड़वा भी दे दिया तो उसे स्वीकार करने में भला क्या हर्ज है? अमीर सेठ अपनी भूल समझ गया, अगर ईश्वर ने इतनी सुख-सम्पदाएँ दी है, और कभी कोई कटु अनुदान या सामान्य मुसीबत दे भी दे तो उसकी सद्भावना पर संदेह करना ठीक नहीं।

असल में यदि हम समझ सकें तो जीवन में जो कुछ भी होता है, सब ईश्वर की दया ही है। ईश्वर जो करता है अच्छे के लिए ही करता है। हम केवल जीवन में अच्छे व उजले पक्ष को ही देखते हैं। हमें सुख, आराम पसंद है, पर दुख व कष्ट के क्षण आते ही हमारा मन विचलित होने लगता है। जीवन में सुख और दुख दोनों ही पल होते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

आखिर क्यों नहीं रुक रहे हवाई हादसे

हाल ही में रांची से दिल्ली एयर एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुखद समाचार ने हमें एक बार फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर क्यों नहीं रुक रहे एयरप्लेन हादसे। इस दुखद हादसे से यह तो साफ जाहिर है कि इनसान विज्ञान के क्षेत्र में अपने आपको बेशक तीस मार खां समझता हो, लेकिन विज्ञान के क्षेत्र में इनसान अभी भी अधूरा नजर आता है। अगर ऐसा नहीं होता तो इस अभागे विमान की तकनीकी खराबी का पहले पता लगाया जा सकता था या फिर इस विमान में अचानक खराबी कैसे आ गई? विमान बनाने वाली कंपनियां ऐसी तकनीक क्यों तैयार नहीं कर पाई है कि अगर कोई तकनीकी खराबी आती है तो मानव जिंदगियों को बचाया जा सके।

- संजय सचदेव, धमतरी

ट्रेंड

भारत माता का अपमान

मैं आपको पूरे विश्वास के साथ कह रहा हूं कि कृषि समझौते भारत के किसानों के हित में हैं। कुछ लोग गलतफहमी फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। एआई कॉन्फ्रेंस में जाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कपड़े उतारे। ये भारत माता का अपमान है।
-शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

कांग्रेस की कार्यशैली

सत्ता की लालसा में राष्ट्रहित से समझौता करना कांग्रेस की पीढ़ीगत कार्यशैली रही है। आज भी इनके नेता देश और विदेशी धरती पर जाकर भारत की साख को धूमिल करने तथा दुश्मन देशों से मदद की गुहार लगाने में संकोच नहीं करते।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

सच्चाई जनता को बताएं

निवेश के नए आंकड़े देने से पहले पुराने समझौतों की सच्चाई जनता को बताइए। यूपी की भाजपा सरकार ने दिखाए तो करोड़ों के एमओयू लेकिन ज़मीन पर इनके बनाये हवाई अड्डों की तरह कुछ भी नहीं उतरा।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

तकनीकी इस्तेमाल

अगर चीन रोबोट का इस्तेमाल कचरा इकट्ठा करने, सीवर साफ करने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को नियंत्रित करने के लिए कर सकता है, तो हम क्यों नहीं? आइए, तकनीकी विशेषज्ञों, इस चुनौती को स्वीकार करें - कचरे को धन में बदलें और एक स्वच्छ और हरा-भरा शहर बनाएं।
- किरण मजूमदार, उद्यमी

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

टेलीग्राम ऐप के संस्थापक पावेल के खिलाफ जांच शुरू

टेलीग्राम ऐप के संस्थापक पावेल डुरोव ने मंगलवार को दावा किया कि रूस की सरकार ने उनके खिलाफ /"आतंकवादी गतिविधियों में सहायता करने/" के आरोप में आपराधिक जांच शुरू की है। रूस में जन्मे और इसी देश में अपना कॅरियर शुरू करने वाले डुरोव ने मॉस्को पर आरोप लगाया कि वह टेलीग्राम तक रूसी नागरिकों की पहुंच सीमित करने के लिए मनगढ़ंत बहाने बना रहा है। रूसी मीडिया में इससे पहले अपुष्ट खबरें आई थीं कि रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने डुरोव के खिलाफ आपराधिक जांच शुरू कर दी है। यह घटनाक्रम उस बयान के दो सप्ताह बाद सामने आया है जब रूस के संचार नियामक रोसकॉमनादजोर ने टेलीग्राम पर प्रतिबंधात्मक कदम उठाने की घोषणा की थी और इस ऐप पर रूसी कानूनों का पालन न करने का आरोप लगाया था। टेलीग्राम पर कार्रवाई के फैसले से देश में असामान्य सार्वजनिक विरोध देखने को मिला। यहां तक कि क्रेमलिन समर्थित कई सैन्य ब्लॉग लेखकों ने भी इसकी आलोचना की और चेतावनी दी कि यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के बीच टेलीग्राम व्यापक रूप से इस्तेमाल होता है, ऐसे में इसकी सेवाओं में बाधा सैन्य संचार को प्रभावित कर सकती है। इसके बावजूद रूसी अधिकारी टेलीग्राम को सुरक्षा के लिए जोखिम बताते आ रहे हैं।

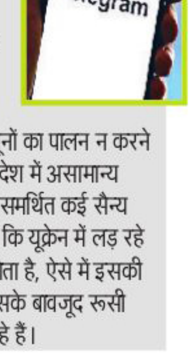

ऑफ बीट

पढ़े-लिखे व विज्ञान समर्थकों का भी अंधविश्वास पर भरोसा

बचपन में हममें से कई लोगों को बताया जाता है कि बाल गीले होने पर बाहर निकलने से सर्दी लग जाती है। बड़े होने पर भी हम बाहर जाने से पहले बाल अच्छी तरह सुखाने में अतिरिक्त समय लगा देते हैं। अंग्रेजी भाषी देशों में कई ऊंची इमारतों में 13वीं मंजिल को अंकित नहीं किया जाता, जबकि पूर्वी एशिया में अक्सर चौथी मंजिल को छोड़ दिया जाता है। यदि जिस खिलाड़ी का मैं समर्थन करता हूं और वह लगातार जीत रहा हो तथा कोई कमेंटेटर उसका जिक्र कर दे, तो मुझे लगता है कि अब अपशगुन हो जाएगा और उसकी जीत का सिलसिला टूट जाएगा। ये सब अंधविश्वास और पारंपरिक मान्यताएं हैं। विज्ञान के प्रति जागरूक समाज होने के बावजूद ये मान्यताएं कायम रहती हैं। सवाल यह है कि ऐसा क्यों होता है और क्या इसमें कोई नुकसान है? ऐसी कई मान्यताओं की जड़ें पुराने चिकित्सा और सांस्कृतिक विश्वासों में हैं। प्राचीन यूनानी और चीनी चिकित्सा में स्वास्थ्य को शरीर और पर्यावरण के संतुलन से जोड़ा जाता था। तापमान को बीमारी का कारण माना जाता था। आज विज्ञान स्पष्ट करता है कि सर्दी-जुकाम का मुख्य कारण वायरस है। हालांकि कुछ शोध बताते हैं कि ठंड में शरीर वायरस के प्रति थोड़ा अधिक संवेदनशील हो सकता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि गीले बाल ही बीमारी का कारण बनते हैं।

अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ कांग्रेस का पैदल मार्च, राजस्थान विधानसभा तक गूंजे देशहित के नारे

जयपुर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विधायकों ने गुरुवार सुबह विधायक आवास से राजस्थान विधानसभा तक पैदल मार्च निकालकर अमेरिका के साथ प्रस्तावित ट्रेड डील के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। विधानसभा की सीढ़ियों पर पहुंचकर विधायकों ने नारेबाजी की और केंद्र सरकार पर देशहित से समझौता करने का आरोप लगाया। मार्च में शामिल नेताओं ने कहा कि अमेरिका के साथ चल रही व्यापारिक वार्ताओं में भारत के कृषि और डेयरी क्षेत्र के हितों की अनदेखी की जा रही है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आरोप लगाया कि अमेरिका के दबाव में ऐसी शर्तें मानी जा रही हैं, जिनसे देश के किसानों और पशुपालकों को सीधा नुकसान होगा। जूली ने कहा, “अगर अमेरिकी कृषि और डेयरी उत्पादों को बड़े स्तर पर भारत में प्रवेश दिया गया तो स्थानीय किसानों की प्रतिस्पर्धा क्षमता प्रभावित होगी। पहले से ही लागत बढ़ने और न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर किसान परेशान हैं, ऐसे में सस्ते आयात से उनकी कमर टूट जाएगी।” उन्होंने केंद्र सरकार से पारदर्शिता बरतने और संसद में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा कराने की मांग की।

विधानसभा में अनुदान मांगों पर आज आखिरी दिन बहस

विधानसभा में गुरुवार को अनुदान मांगों पर बहस का अंतिम दिन है। प्रश्नकाल और शून्यकाल के बाद ग्रामीण विकास और पंचायतीराज विभाग से जुड़ी अनुदान मांगों पर पूरे दिन चर्चा होगी। विपक्ष ने संकेत दिए हैं कि वह सरकार को पंचायत चुनाव समय पर नहीं कराने और परिसीमन में कथित राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे मुद्दों पर घेरने की तैयारी में है। विपक्ष का आरोप है कि पंचायतीराज संस्थाओं के चुनावों में देरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया

को प्रभावित करती है। इसके अलावा वार्डों के परिसीमन में राजनीतिक आधार पर बढ़ोतरी या कटौती किए जाने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। बहस के दौरान ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन, बजट आवंटन और खर्च की स्थिति पर भी सवाल उठाए जा सकते हैं।

27 फरवरी को बजट पारित, सीएम देंगे जवाब

विधानसभा में 27 फरवरी को राज्य का बजट पारित किया जाएगा। इसके साथ ही एप्रोप्रिएशन बिल और फाइनेंस बिल भी पारित किए जाएंगे। एप्रोप्रिएशन बिल पर बहस का जवाब शाम 5 बजे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा देंगे। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि मुख्यमंत्री अपने जवाब के दौरान नई भर्तियों और विकास योजनाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणाएं कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार विभिन्न जिलों की लंबित मांगों और विधायकों द्वारा सदन में उठाए गए मुद्दों को ध्यान में रखते हुए सरकार कई वित्तीय और प्रशासनिक घोषणाएं कर सकती है। बजट सत्र के समापन से पहले सरकार अपनी प्राथमिकताओं और आगामी वर्ष की कार्ययोजना स्पष्ट करेगी। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सदन में अपना विस्तृत भाषण देंगे, जिसमें वे सरकार की नीतियों, वित्तीय प्रबंधन और ग्रामीण ढांचे से जुड़े मुद्दों पर सवाल उठा सकते हैं।

बीएसी बैठक में आगे की रणनीति तय

विधानसभा की कार्यवाही को लेकर आगे की रूपरेखा तय करने के लिए गुरुवार दोपहर बाद विधानसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में कार्य सलाहकार समिति (BAC) की बैठक आयोजित होगी। इस बैठक में 27 फरवरी के बाद का कामकाज निर्धारित किया जाएगा। बीएसी की बैठक में पंचायतीराज संशोधन विधेयक, नगरपालिका संशोधन विधेयक और डिस्टर्ब एरिया बिल को पारित करने की संभावित तिथियों पर चर्चा होगी। माना जा रहा है कि होली के बाद इन महत्वपूर्ण विधेयकों को सदन में पारित किया जाएगा। राजनीतिक दृष्टि से यह सत्र काफी अहम माना जा रहा है। एक ओर विपक्ष ट्रेड डील और स्थानीय मुद्दों को लेकर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है, वहीं सरकार बजट और विधायी कार्यों के माध्यम से अपनी नीतिगत दिशा स्पष्ट करने में जुटी है। आने वाले दो दिन सदन के भीतर तीखी बहस और महत्वपूर्ण फैसलों के गवाह बन सकते हैं।

1400 करोड़ रुपये से होगा सड़कों का नवीनीकरण और सुदृढ़ीकरण- उप मुख्यमंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण मंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश की सड़कों के नवीनीकरण व सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता को देखते हुए बजट घोषणा वर्ष 2026-27 में नॉन पेचेबल व क्षतिग्रस्त सड़कों के लिए 1400 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा कार्यों की पारस्परिक प्राथमिकता के आधार पर सड़कों व पुलियाओं का चयन कर नवीनीकरण का कार्य कराया जाता है। सार्वजनिक निर्माण मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य राजेन्द्र गुर्जर द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि विधानसभा देवली-उनियारा में 6 सड़कों के नवीनीकरण एवं 15 पुलियाओं की मरम्मत के लिए 17.15 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी की गई है। इनमें से सड़कों के 2 कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा 4 कार्य प्रगतिरत हैं। उन्होंने कहा कि वर्षा के अलावा अन्य कारणों से क्षतिग्रस्त एवं नॉन—पेचेबल देवली—उनियारा विधानसभा क्षेत्र की सड़कों का पारस्परिक प्राथमिकता के आधार पर नवीनीकरण कराया जाना प्रस्तावित है। इससे पहले विधायक गुर्जर के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में सार्वजनिक निर्माण मंत्री ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र देवली-उनियारा की क्षतिग्रस्त 52 पुलियाओं में से स्वीकृत 15 कार्यों में 1 कार्य पूर्ण, 12 कार्य प्रगतिरत है। उन्होंने बताया कि शेष 2 कार्यों स्टेट हाईवे-29 से अनवार नगर व गुराई से जेल रोड में, सदस्य गुर्जर ने 1 कार्य स्टेट हाईवे-29 से अनवार नगर को निरस्त कर राशि को गुराई से जेल रोड कार्य में समायोजित करने की अनुशंसा की है। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र देवली-उनियारा में अतिवृष्टि/वर्षा से 12 सड़कें एवं 52 पुलिया क्षतिग्रस्त हुई। उन्होंने क्षतिग्रस्त सड़को और पुलियाओं के मरम्मत करवाए जा रहे कार्यों का विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने यह भी बताया कि इसके अतिरिक्त एसडीआरएफ मद में भी विभिन्न सड़कों की मरम्मत की गई हैं।

घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग व अवैध रिफिलिंग के विरुद्ध विशेष अभियान में 111 सिलेंडर जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के आदेशानुसार घरेलू एलपीजी सिलेंडरों के व्यवसायिक उपयोग, अवैध रिफिलिंग, अवैध भंडारण एवं कालाबाजारी जैसी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना एवं एलपीजी आपूर्ति प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जयपुर जिले में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। विभागीय निर्देशों की अनुपालना में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम प्रियव्रत सिंह चारण द्वारा जयपुर शहर में कार्रवाई हेतु तीन जांच दलों का गठन किया गया। गठित सतर्कता दलों द्वारा अलग-अलग समय पर विभिन्न क्षेत्रों में सघन निरीक्षण एवं दबिश की कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान कुल 111 घरेलू एवं व्यवसायिक गैस सिलेंडर, एक पिकअप वाहन, एक रिफिलिंग मोटर मय रबर पाइप व नोजल, एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा, 28 रेगुलेटर, एक मोबाइल एवं एक डायरी जब्त की गई।

संबंधित प्रकरणों में नियमानुसार अग्रिम कानूनी कार्यवाही की जा रही है। सतर्कता दल “ए” ने सेक्टर-28, प्रताप नगर स्थित कृष्णा अपार्टमेंट के पीछे झुग्गी-झोपड़ियों के पास दबिश दी, जहां अवैध क्रय-विक्रय एवं भंडारण की पुष्टि होने पर 67 घरेलू एवं व्यवसायिक गैस सिलेंडर, एक पिकअप वाहन, एक मोबाइल एवं एक डायरी जब्त की गई। इसके अतिरिक्त झोटवाड़ा क्षेत्र में विभिन्न व्यवसायिक प्रतिष्ठानों—होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, मिठाई दुकान एवं फैक्ट्री—पर की गई कार्रवाई में 4 प्रतिष्ठानों से 11 घरेलू गैस सिलेंडर एवं 4 रेगुलेटर मय रबर पाइप जब्त किए गए। सतर्कता दल “बी” द्वारा आमेर कुंडा, सांगानेर एवं मालवीय नगर क्षेत्र में दबिश दी गई, जहां 8 व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से 19 घरेलू गैस सिलेंडर एवं 18 रेगुलेटर मय रबर पाइप जब्त किए गए। सतर्कता दल “सी” ने महसो का मोहल्ला, आमेर में अवैध गैस रिफिलिंग करते हुए 4 घरेलू सिलेंडर, एक इलेक्ट्रिक मोटर, एक रिफिलिंग पाइप, एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा मय नोजल तथा अन्य उपकरण जब्त किए। इस प्रकरण में संलिप्त एक व्यक्ति के विरुद्ध संबंधित पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई। साथ ही चांदपोल क्षेत्र में 6 व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करते हुए 10 घरेलू गैस सिलेंडर एवं 6 रेगुलेटर मय रबर पाइप जब्त किए गए। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अभियान अवधि में इस प्रकार की सघन जांच एवं प्रवर्तन कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी तथा घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग एवं अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

PM e-Bus Sewa के तहत राजस्थान में हरित सार्वजनिक परिवहन की ऐतिहासिक शुरुआत

-जयपुर में ई-बसों का ट्रायल आरंभ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को सुगम एवं सुरक्षित जीवन प्रदान करने लिए निरंतर कार्यरत है ।इसी कड़ी में राजस्थान में स्वच्छ, आधुनिक एवं सतत शहरी परिवहन व्यवस्था को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए PM e-Bus Sewa के अंतर्गत प्रदेश के 08 प्रमुख शहरों—जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, बीकानेर, भीलवाड़ा, अलवर एवं अजमेर —में कुल 675 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को स्वीकृति प्रदान की गई है। शहरवार आवंटन के अनुसार जयपुर को 150, जोधपुर को 100, अजमेर को 100, कोटा को 100, बीकानेर को 75, अलवर को 50, भीलवाड़ा को 50 तथा उदयपुर को 50 ई-बसें प्राप्त होंगी। इन बसों के संचालन से राज्य में प्रदूषण नियंत्रण, ईंधन बचत एवं शहरी यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। जयपुर में प्रथम चरण में प्राप्त होने वाली 150 ई-बसों के नियमित संचालन से पूर्व गुरुवार को 9 मीटर एवं 12 मीटर श्रेणी की बसों का ट्रायल प्रारंभ किया गया है, जो 28 फरवरी 2026 तक जारी रहेगा। ट्रायल के लिए बस में मिट्टी

से भरे कनस्तर एवं थैले रखे गए हैं ।

आधुनिक सुविधाओं से बेहतर बनेगा सफर—

9 मीटर ई-बस की बैठने की क्षमता 25 यात्रियों, एक व्हीलचेयर एवं चालक सहित है, जबकि 12 मीटर ई-बस में 31 यात्रियों, एक व्हीलचेयर एवं चालक के बैठने की व्यवस्था है। ये बसें दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाओं से सुसज्जित हैं , जिससे समावेशी परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। इसी के साथ ही इन बसों में पैनिक बटन, पैसेन्जर डिस्पले बोर्ड, स्पीकर, ड्राईवर डिस्पले बोर्ड, सीसीटीवी कैमरा, ऑटोमैटिक पेसेन्जर काउन्ट कैमरा आदि सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं । उल्लेखनीय है की इस संबंध में जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड(JCTSL) द्वारा चयनित फर्म के साथ 07 जुलाई 2025 को अनुबंध निष्पादित किया जा चुका है। अप्रैल 2026 से जयपुर में इन ई-बसों का नियमित संचालन प्रस्तावित है। संचालन हेतु आवश्यक चार्जिंग अवसंरचना का निर्माण सफल संवेदक द्वारा निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जाएगा। ई-बसों के ट्रायल का तकनीकी परीक्षण JCTSL एवं CRIT की विशेषज्ञ टीमों द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है, ताकि सुरक्षा, गुणवत्ता एवं परिचालन दक्षता के सभी मानकों की पुष्टि सुनिश्चित की जा सके। राज्य सरकार नागरिकों को सुरक्षित, किफायती एवं पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम ई-बस सेवा के माध्यम से राजस्थान के शहरों में हरित परिवहन की नई दिशा स्थापित होगी तथा शहरी जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित होगा।

‘सम्मान के साथ बुढ़ापा’ विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी के विशिष्ट आतिथ्य में विकास अध्ययन संस्थान (आईडीएस) में “सम्मान के साथ बुढ़ापा: भारत में उभरती सामाजिक-आर्थिक और स्वास्थ्य चुनौतियाँ” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। मोदी ने अपने संबोधन में वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक सम्मान सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए पारिवारिक सहयोग एवं सामुदायिक सहभागिता को आवश्यक बताया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) के प्रायोजन से आयोजित इस संगोष्ठी में चौथे प्रो. वी. एस. व्यास स्मृति व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में प्रो. रमेश के. अरोड़ा एवं जेएनयू की प्रो. संघमित्रा शील आचार्य विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भारतीय जराविज्ञान संघ के अध्यक्ष प्रो. के. एल. शर्मा तथा संस्थान के निदेशक प्रो. संजय लोढ़ा ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। संगोष्ठी में छह तकनीकी सत्रों के माध्यम से विषय के विभिन्न आयामों पर विमर्श किया गया।

मुख्य सचिव ने दिए ‘वन स्टेट वन पोर्टल’ विकसित किये जाने के निर्देश

-मुख्यमंत्री 181 हेल्प लाइन कॉल सेंटर का किया निरीक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा गुरूवार को शासन सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री 181 हेल्प लाइन कॉल सेंटर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने आजमन की परिवेदनाओं के निस्तारण की जानकारी प्राप्त की और उनके गुणात्मक एवं त्वरित निस्तारण के लिए आवश्यक निर्देश प्रदान दिये । मुख्य सचिव ने कॉल सेंटर पर प्रशासनिक सुधार, जन अभियोग निराकरण विभाग एवं तकनीकी अधिकारियों की बैठक लेकर एआई सपोर्टेड नेक्स्ट जेन संपर्क पोर्टल शीघ्र विकसित किये जाने के निर्देश दिये। मुख्य सचिव द्वारा हाल ही में विकसित राज संपर्क 2.0 के माध्यम से

परिवेदनाओं के निस्तारण हेतु किये गये सुधारों की जानकारी ली गई। उन्होंने ऑनलाइन सेवाएं जो राज संपर्क पोर्टल के माध्यम से दी जा रही है, उनमें गुणवत्ता संबंधी सुधार किये जाने पर जोर दिया। साथ ही अन्य विभागों के परिवेदना निस्तारण संबंधी पोर्टल्स/हेल्प लाइन को भी राज संपर्क के साथ एकीकृत किये जाकर ‘वन स्टेट वन पोर्टल’ विकसित किये जाने के निर्देश दिये। मुख्य सचिव ने पोर्टल पर दर्ज परिवेदनाओं के निस्तारण में संतुष्टि प्रतिशत के स्तर को बढ़ाने तथा औसत परिवेदना निस्तारण समय को नियमित पर्यवेक्षण के माध्यम से कम करने पर जोर देते हुए कहा कि लंबे समय से लंबित परिवेदनाओं का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाना चाहिए। इस दौरान प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दिनेश कुमार, ग्रुप जनरल मेनेजर, आरआईएसएल, जी. के. शर्मा, अति. निदेशक, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग सुदर्शन सिंह देवड़ा, संयुक्त शासन सचिव, प्रशासनिक सुधार विभाग व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भीम उप जिला चिकित्सालय के रिक्त पदों को भरने के होंगे प्रयास- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि राजसमंद के भीम में उप जिला चिकित्सालय के लिए 40.42 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। चिकित्सालय का निर्माण कार्य जुलाई, 2026 तक पूर्ण होना प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय में क्वार्टर्स निर्माण के लिए भी सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे। साथ ही, चिकित्सालय में आवश्यक उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि चिकित्सकों के रिक्त पदों को भरा जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री सिंह प्रश्नकाल के दौरान सदस्य हरिसिंह रावत द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि उप जिला चिकित्सालय को जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नत करने के लिए बेड की संख्या, ऑक्यूपेंसी रेट, क्षेत्र की जनसंख्या सहित विभिन्न मानक बने हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में उप जिला चिकित्सालय, भीम निर्धारित मानकों में नहीं आता है।

इससे पहले विधायक रावत के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि निर्माण कार्य 10

अगस्त, 2024 को शुरू हुआ था, जो कि प्रगतिरत है। उन्होंने इसका विवरण सदन के पटल पर रखा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि वर्तमान में 100 शैय्या का उप जिला चिकित्सालय स्वीकृत है। स्वीकृत शैय्याओं की उपयोगिता दर वर्ष 2025 में 70.86 प्रतिशत रही है। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नयन के लिए राज्य सरकार द्वारा 6 दिसम्बर 2019 में शैय्याओं की उपयोगिता दर 95 प्रतिशत या उससे अधिक होने के मानक निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उप जिला चिकित्सालय भीम की शैय्याओं में वृद्धि कर जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नत किया जाना वर्तमान में विचाराधीन नहीं है।

रोजो में नेकियों का भाव 70 गुणा बढ़ जाता हैं - डॉक्टर इमरान खान

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। डॉक्टर इमरान खान सीनियर मेडिकल ऑफिसर गोरवमेंट ऑफ राजस्थान सरकार ने कहा कि रोजो में नेकियों का भाव बढ़ जाता हैं एक नेकी के बदले 70 नेकी का बदला दिया जाता हैं यह शब्द डॉक्टर खान ने एक विशेष भेंट के दौरान में कहे। डॉक्टर खान ने समझाया कि भारत या किसी भी देश में एक नेकी करने पर 1 नेकी (पुण्य) व रमजानों में 70 नेकियों का सवाब मिलता है इधर सऊदी अरब में स्तिथ मक्का मदीने में एक नेकी करने पर 1 लाख नेकी व रमजानों में 70 लाख नेकियों का सवाब मिलता है। इसीलिए अरबो खरबों नेकियां कमाने वाले उमराह करने के लिए रमजान के पवित्र माह का महीना चुनते हैं क्योंकि रोजो में 1 नेकी के बदले में 70 नेकियां मिलती हैं यानी नेकियों का भाव 70 गुणा बढ़ जाता हैं।

इसलिए उमराह करने वाले को एक नेकी करने पर अब 1 लाख के स्थान पर 70 लाख नेकी मिलती हैं।

महिला शक्ति, आत्मनिर्भरता का सशक्त हस्ताक्षर है नारी चौपाल - डॉ. प्रेमचंद बैरवा

- जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर हो रहा आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिला प्रशासन का नारी चौपाल कार्यक्रम महिला शक्ति, आत्मनिर्भरता का सशक्त हस्ताक्षर है। नारी चौपाल वह मंच है जहां महिलाएं केवल श्रोता नहीं रहतीं, बल्कि अपनी बात कहती हैं, समाधान सुझाती हैं और नेतृत्व की भूमिका निभाती हैं। यह पहल महिलाओं को घर की चौखट से बाहर निकालकर सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाती है। यह कहना है उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा का। डॉ. बैरवा ने यह बात सक्षम जयपुर अभियान के तहत दूदू में आयोजित नारी चौपाल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। साथ ही डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने अपने संबोधन में कहा कि नारी चौपाल जैसे कार्यक्रमों में जब महिलाएं खुलकर अपने अनुभव साझा करती हैं, योजनाओं की जानकारी प्राप्त करती हैं और प्रशासन से सीधे संवाद करती हैं, तब आत्मनिर्भरता की वास्तविक नींव रखी जाती है। डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने नारी चौपाल को संबोधित करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि विकसित राजस्थान की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि जब महिला शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर होती है तो समाज में समृद्धि और संवेदनशीलता दोनों का विकास होता है। उन्होंने महिलाओं से सरकारी योजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों और स्वरोजगार अवसरों का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं की पहुंच अंतिम छोर तक सुनिश्चित की जाए। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में जयपुर जिले में महिला सशक्तिकरण को जमीनी स्तर पर नई दिशा देने के उद्देश्य से संचालित सक्षम जयपुर अभियान के अंतर्गत दूदू में आयोजित नारी चौपाल महिला नेतृत्व, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का प्रेरक

उदाहरण बनकर सामने आई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों महिलाओं एवं बालिकाओं ने भाग लेकर यह संदेश दिया कि बदलते राजस्थान में महिलाएं निर्णायक भूमिका निभाने को तैयार हैं। दूदू में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मृणाल कुमार, दूदू, फागी एवं मौजमाबाद के उपखंड अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, आत्मरक्षा प्रशिक्षण और प्रेरक अनुभव साझा कर अपनी प्रतिभा एवं नेतृत्व क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन किया। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि मारवाड़ी लोकगीत, लोकनृत्य एवं नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से सामाजिक संदेशों को रचनात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया। “हम होंगे कामयाब” और “मेरा काम—मेरा सम्मान” जैसी प्रस्तुतियों ने आत्मनिर्भरता, सम्मान और स्वाभिमान का सशक्त संदेश दिया। नारी चौपाल में महिला एवं बाल विकास, चिकित्सा, शिक्षा, पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सहित विभिन्न विभागों द्वारा सहायता काउंटर लगाए गए, जहां महिलाओं को स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, शिक्षा एवं स्वरोजगार संबंधी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। मौके पर ही मार्गदर्शन एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई, जिससे यह आयोजन केवल संवाद तक सीमित न रहकर समाधान केंद्रित पहल के रूप में स्थापित हुआ। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं ने सक्षम जयपुर अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर कर ‘बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ’ की शपथ ली। नोडल अधिकारी श्री मृणाल कुमार द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। डॉ. डोगीवाल ने कहा कि नारी चौपाल महिलाओं को जागरूक, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की सतत पहल है। यहां प्राप्त सुझावों एवं समस्याओं के आधार पर प्रशासनिक स्तर पर ठोस कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन को बल मिल रहा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार जयपुर जिले के सभी उपखंडों में नारी चौपाल कार्यक्रम चरणबद्ध रूप से आयोजित किए जाएंगे। दूदू की यह नारी चौपाल इस बात का प्रमाण है कि जब अवसर और मंच मिलता है, तो महिला शक्ति समाज परिवर्तन की अग्रणी धुरी बन जाती है।

खाटू श्याम जी के लिए 20 वीं पदयात्रा रवाना हुई

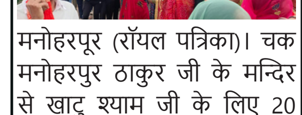

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। चक मनोहरपुर ठाकुर जी के मन्दिर से खाटु श्याम जी के लिए 20 वीं पदयात्रा रवाना हुई। स्थानीय निवासी रामकुंवार यादव ने बताया कि 20 वीं पदयात्रा चक मनोहरपुर के ठाकुर जी मंदिर से सोमवार को डिजे के साथ रवाना हुई और रास्ते में श्याम प्रेमियों ने जगह जगह अल्पाहार ओर भोजन की व्यवस्था की पदयात्रा श्याम दरबार में बुधवार को पहुंचेगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

बींझबायला में टैलेंट हंट सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का सफल आयोजन

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/बींझबायला (रॉयल पत्रिका)। बींझबायला स्थित सरस्वती ग्रामोत्थान विद्यापीठ उच्च माध्यमिक विद्यालय में टैलेंट हंट के अंतर्गत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। प्रतियोगिता प्रभारी सुखविन्द्र सिंह सरपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गई। जूनियर वर्ग में कक्षा 6 व 7 तथा सीनियर वर्ग में कक्षा 9 एवं 11 के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में विद्यालय के लगभग 210 विद्यार्थियों ने सहभागिता दर्ज करवाई। प्रश्नों का चयन वर्षभर प्रार्थना स्थल एवं नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित विषय-वस्तु से किया गया, जिससे विद्यार्थियों की सतत जागरूकता और अध्ययनशीलता का आकलन हो सका। इस अवसर पर सरस्वती शिक्षण समूह की शैक्षणिक मार्गदर्शक लेफ्टिनेंट अन्नपूर्णा न्योल ने कहा कि इस

प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में सीखने की ललक और आत्मविश्वास को नई दिशा देती हैं। वहीं संस्था के ओमप्रकाश खुडिया ने अपने विचार रखते हुए कहा कि सामान्य ज्ञान ही वह आधार है जो विद्यार्थी को जागरूक नागरिक बनाता है। जूनियर एवं सीनियर वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। विद्यालय परिवार ने भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ निरंतर आयोजित करने का संकल्प दोहराया।

गरीबों को पट्टों से पूरी तरह वंचित रखा, जलभराव से शहर बेहाल — विधायक डूंगर राम गेदर ने विधानसभा में भाजपा सरकार को घेरा

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा में सूरतगढ़ के विधायक डूंगर राम गेदर जी ने मांग संख्या 39 एवं 40 पर बोलते हुए सूरतगढ़ क्षेत्र की उपेक्षा और भाजपा सरकार की विफलताओं को उजागर किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की भाजपा सरकार द्वारा आयोजित शहरी सेवा शिविर केवल दिखावा साबित हुए और जनता को कोई वास्तविक राहत नहीं मिली। विधायक गेदर ने कहा कि विभिन्न कैम्पों में स्ट्रीट लाइट सुधार, सफाई व्यवस्था, नालियों की सफाई और पट्टे वितरण के वादे किए गए, लेकिन धरातल पर एक भी काम पूरा नहीं हुआ। 2023 में शुल्क जमा कर चुके पात्र नागरिकों को आज तक पट्टे जारी न करना सरकार की नीयत पर प्रश्नचिह्न लगाता है। उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती सरकार के समय 31 दिसंबर 2018 तक बने भवनों पर मात्र ₹501 में पट्टे देकर लाखों गरीब परिवारों को वैधानिक अधिकार दिए गए थे,

जबकि वर्तमान भाजपा सरकार पुराने सर्वे के आधार पर पट्टों को लटकाकर गरीबों को अधिकारों से वंचित कर रही है। विधायक ने वार्ड संख्या 3 एवं 26 के निवासियों द्वारा पट्टों की मांग को लेकर किए गए धरना, बाजार बंद और आंदोलनों का उल्लेख करते हुए कहा कि जनआक्रोश के बावजूद सरकार और प्रशासन ने संवेदनहीन रवैया अपनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिशासी अधिकारी स्तर तक स्वीकृत 18 फाइलों सहित अनेक पट्टा प्रकरण जानबूझकर लंबित रखे गए हैं। निजी कॉलोनियों में आर्थिक लाभ लेकर पट्टे जारी किए जा रहे हैं, जबकि कब्जा नियमन के अंतर्गत गरीबों के पट्टे रोके जा रहे हैं। विधायक गेदर ने सैनी गार्डन क्षेत्र एवं किशनपुरा आबादी क्षेत्र में वर्षों पूर्व नीलामी के बाद भी भूखंडों का कब्जा न मिलने को भाजपा शासन की प्रशासनिक विफलता बताया। उन्होंने कहा कि 10–15 वर्षों से लाखों रुपये जमा कराने के बावजूद लोगों को भूमि अधिकार नहीं मिले हैं। उन्होंने नगर पालिका भूमि पर बढ़ते अतिक्रमण, भू-माफियाओं की सक्रियता और नियोजित नीलामी न होने से पालिका को करोड़ों रुपये के संभावित नुकसान के लिए भी सरकार को जिम्मेदार ठहराया। भारी वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या को उठाते हुए विधायक ने बताया कि सूरतगढ़ के वार्ड संख्या 11, 20, 26, 33, 37, 38, 40, 41, 42 और 45 सहित कॉलेज खेल मैदान, राजीव गांधी स्टेडियम और मोटर मार्केट क्षेत्र में 4–5 फीट तक पानी भर जाता है। कई दिनों तक जलभराव रहने से लोगों को घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ता है तथा सांप-बिच्छू जैसे विषैले जीवों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने स्थायी जल निकासी व्यवस्था की मांग की। उन्होंने गुरुद्वारा सिंह सभा सहित ब्राह्मण समाज, स्वामी समाज, जाट समाज, नायक समाज, रायसिंह समाज की धर्मशालाओं तथा कुम्हार समाज छात्रावास की वर्षों से लंबित पट्टा फाइलों का शीघ्र निस्तारण न होने पर भी सरकार को कठघरे में खड़ा किया। अंत में विधायक गेदर ने सफाई कर्मियों की भर्ती में वाल्मीकि समाज को शत-प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने, ठेका प्रथा समाप्त कर सफाई कर्मियों को स्थायी करने, सुविधाओं में बढ़ोतरी करने तथा महिला सफाई कर्मियों के बच्चों को शिक्षा में विशेष सुविधा देने की मांग करते हुए कहा कि भाजपा सरकार सामाजिक न्याय के मुद्दों पर भी विफल रही है। उन्होंने राज्य सरकार से तत्काल प्रभाव से कार्रवाई कर सूरतगढ़ की जनता को राहत देने की मांग की।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने जिला मुख्यालय पर आईस्टार्ट अवेयरनेस कार्यशाला का किया पर्यवेक्षण

-युवाओं से किया संवाद, नवाचार व उद्यमिता के लिए किया प्रोत्साहित

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने गुरुवार को जिला मुख्यालय पर मातुश्री कमला गोयनका टाउन हॉल में आयोजित आईस्टार्ट अवेयरनेस कार्यशाला का पर्यवेक्षण किया तथा युवाओं से संवाद करते हुए नवाचार, कोडिंग, आईटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उभरते क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। जिला कलक्टर ने कहा कि वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का दौर है, जहां कोडिंग, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने युवा केवल नौकरी तलाशने के बजाय जॉब क्रिएटर बनने की सोच विकसित करें। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप्स केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि सुदृढ़ और आत्मनिर्भर भविष्य की नींव हैं। युवा पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर नए विचारों पर कार्य करें तथा तकनीक के उपयोग से स्थानीय समस्याओं के नवाचारपूर्ण समाधान विकसित करें। जिला कलक्टर ने कहा कि आने वाला समय टेक्नोलॉजी और इनोवेशन

का है। इसलिए जो युवा आज कोडिंग, एआई, मशीन लर्निंग और आईटी स्किल्स सीखेंगे, वही भविष्य की अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में उद्यमिता व स्टार्ट अप्स महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हम सभी इस दिशा में आगे बढ़ें। हमारे सम्मिलित प्रयासों से जिले में नवाचार आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने बताया कि जिले में कोड चूरू कार्यक्रम से अब स्कूलों में भी बच्चे कोडिंग, आईटी और तकनीकी क्षेत्र का ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं। स्कूली विद्यार्थी कोड चूरू से जुड़ें और स्किल्स डेवलप करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवाओं को वित्तीय सहायता, मेंटरशिप, प्रशिक्षण एवं नेटवर्किंग के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सुराणा ने कहा कि नवाचारी विचार और आईटी और सही मार्गदर्शन से टेक्नोलॉजी आधारित स्टार्टअप्स कम संसाधनों में भी शुरू किए जा सकते हैं। उन्होंने युवाओं को हैकाथॉन, इनोवेशन, कोडिंग और डिजीटल स्किल डवलपमेंट कोर्सेज से जुड़ने की सलाह दी। संयुक्त निदेशक नरेश कुमार ने आईटी क्षेत्र से संबंधित जानकारी दी। इस दौरान एसीपी विनोद कुमारी ने आई स्टार्ट इनक्यूबेशन सेंटर पर उपलब्ध सुविधाओं तथा गौरव ने कोड चूरू कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

चूरू नगर परिषद के पुराने एवं जर्जर हो चुके भवन को नये बनाने के लिए विधायक ने विधानसभा में उठाई आवाज

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। विधायक हरलाल सहारण ने विधानसभा में चूरू नगर परिषद के पुराने और जर्जर हो चुके भवन को नया बनाने हेतु 6.50 करोड़ रूपये की मांग राज्य सरकार से की इसके अतिरिक्त भूमिगत नालों की सफाई हेतु दो आधुनिक मशीनें देने तथा शहर में सड़क निर्माण हेतु 10 करोड़ रूपये स्वीकृत करने की माँग आज सदन के माध्यम से रखी। विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार अनवरत लोककल्याणकारी कार्यों

के जनता को लाभांवित कर रही है, मैं भी चूरू के विकास हेतु कटिबद्ध हूँ, चूरू के विकास में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। इसके लिए सरकार उक्त मांगो को जल्द से जल्द माने।

जाहोता में महिलाओं का सम्मान समारोह को लेकर बैठक सम्पन्न

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। जाहोता ग्राम पंचायत में बलाई विकास समिति जयपुर, मुख्यालय-चौमूं के तत्वावधान में आगामी 8 मार्च को महिला दिवस पर बलाई सभा-भवन मोरीजा रोड़ चौमूं में आयोजित होने वाले महिलाओं का सम्मान समारोह को लेकर समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार की अध्यक्षता में समाज के लोगों की बैठक हुई। बैठक में समारोह की तैयारियों को लेकर चर्चा-परिचर्चा की गई। समिति के अध्यक्ष एड. बद्रीनारायण परिहार एवं समारोह के मुख्य संयोजक लालाराम मेहरड़ा ने बताया कि समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं एवं समारोह में शामिल होने वाली सभी महिलाओं को सम्मान किया जाएगा। साथ ही समारोह में अधिक से

अधिक महिलाओं को पहुंचने के लिए आह्वान किया। इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य व समारोह के सहसंयोजक सुनीता वर्मा, सहसंयोजक व उपाध्यक्ष कालूराम सामरिया, सहसंयोजक व उपकोषाध्यक्ष नानगराम लुनिवाल, सहसंयोजक व सदस्य घीसालाल बबेरवाल, गोवर्धन लाल बिदावत, रामगोपाल डोई, शंकरलाल खंडेलवाल, बनवारी लाल लुनिवाल, मुकेश खंडेलवाल, महेश लुनिवाल, दीक्षांत लुनिवाल, हरिनारायण, कौशल्या देवी, सरजू देवी, आशा वर्मा, कमला देवी, मीरा देवी, कंचन लता, सोनम वर्मा, ग्यारसी देवी, कृष्णा, राजू देवी, पूजा देवी, मंजू देवी, संतोष देवी, पूजा देवी, शांति, लक्ष्मा देवी, गुलाब देवी, अनीता देवी, पुष्पा देवी, मोहिनी देवी, माया देवी आदि मौजूद रहे।

मंडावर में दर्दनाक सड़क हादसा, महिला की ट्रक की टक्कर से मौत

-हादसे में दो अन्य बाल-बाल बचे, पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया

शफीक अली

मंडावर (रॉयल पत्रिका)। मंडावर थाना पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया, हादसे में दो अन्य बाल-बाल बचे। मंडावर के पाटक संख्या 83 क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की ट्रक की टक्कर से मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मंडावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने मृतका के शव को मंडावर के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका रेशम देवी पत्नी प्रभु दयाल मीणा, निवासी गांव पहड़ावती, जिला अलवर की रहने वाली थीं। वह बाइक पर सवार होकर कहीं जा रही थीं, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रेशम देवी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बाइक पर प्रभु दयाल की भाई की बेटी गुड्डन भी सवार थी। हादसे में बाइक सवार अन्य दो लोगों की हालत फिलहाल ठीक बताई जा रही है, जिन्हें हल्की चोटें आई हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देवेन्द्र दीक्षित, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जिला कारागृह का निरीक्षण कर जांची व्यवस्थाएं

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार देवेन्द्र दीक्षित, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सवाई माधोपुर द्वारा गुरुवार को जिला कारागृह सवाई माधोपुर का निरीक्षण किया गया। देवेन्द्र दीक्षित, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर द्वारा कारागृह परिसर की साफ-सफाई, बैरकों की साफ-सफाई, कारागृह में सजायाफ्ता एवं विचाराधीन बंदियों की कुल संख्या, नए प्रवेश करने वाले बंदियों के नाम एवं पता, बंदियों को प्रदान की जाने वाली भोजन, पेयजल एवं चिकित्सकीय सुविधाओं, ई कियोस्क आदि के संबंध में पूछताछ की गई तथा बंदियों से वार्ता कर उनके मुकदमों, संबंधित थानों, न्यायालयों, परिजनों से बातचीत के समय, अपने मुकदमों की पैरवी हेतु अधिवक्ता की उपलब्धता, निशुल्क विधिक सहायता आदि के संबंध में पूछताछ कर उनकी समस्याओं को सुना गया। देवेंद्र दीक्षित ने उपस्थित बंदियों को बताया कि जिन बंदियों के पास

अपने मुकदमों की पैरवी हेतु अधिवक्ता उपलब्ध नहीं है, वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में आवेदन करके अपने मुकदमों की पैरवी हेतु निःशुल्क अधिवक्ता प्राप्त कर सकता है। साथ ही कारागृह में बंदियों को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर जेल विजिटिंग लॉयर एवं अधिकार मित्र को अपनी समस्या के संबंध में अवगत करवा सकते हैं। निरीक्षण के दौरान बंदियों को प्रदान की जा रही मूलभूत सुविधाएं संतोषजनक पाई गई। साथ ही प्रिजन लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से बंदियों को प्राप्त विधिक सहायता एवं जेल विजिटिंग लॉयर एवं जेल विजिटिंग अधिकार मित्र द्वारा की गई कार्यवाही के बारे में पूछताछ की गई । दौराने निरीक्षण 101 विचाराधीन एवं 03 सजायाफ्ता बंदियों सहित कुल 104 बंदी उपस्थित पाएं गए। देवेन्द्र दीक्षित द्वारा बंदियों को साइबर अपराधों, चोरी, लूट, हत्या एवं हत्या के प्रयास तथा अन्य अपराधों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की सचिव समीक्षा गौतम द्वारा द्वारा बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आशुतोष सिंह आढ़ा, चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल राधेश्याम जोगी, अधिकार मित्र सुनिता जोनवाल, डॉ. मनोज गर्ग एवं कारागृह स्टाफकर्मी उपस्थित रहे।

यूजीसी के काले नियमों के विरोध में सवर्ण समाज महवा की बैठक आयोजित

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा उपखंड मुख्यालय के बोहरा धर्मशाला में सवर्ण समाज की गुरुवार को यूजीसी के विरोध में बैठक आयोजित की गई । जिसमें दौसा में आयोजित एक मार्च को यूजीसी के काले कानून के विरोध में गोबैक के लिए सवर्ण समाज महुवा द्वारा अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने को लेकर चर्चा की गई बैठक में दौसा से पधारे युवाओं की टीम महुवा पहुंची टीम में अनिल नीमला, नरेंद्र जोशी सहित दर्जनों पदाधिकारी मौजूद रहे सवर्ण समाज के लोगों ने गुरुवार को महुवा में दोसा मैं आयोजित मा आक्रोश रैली मैं सम्मिलित होने के लिए सवर्ण समाज के लोगों से जनसंपर्क किया। सवर्णसमाज के गणमान्य लोगों ने एक मार्च को यूजीसी एक्ट के खिलाफ दोसा के शेषनाथ महादेव मंदिर

लालसोट रोड दौसा में होने वाली महा आक्रोश रैली मैं अधिक से अधिक संख्या में जाने का आश्वासन दिया। बैठक में विजय शंकर बोहरा मोहनलाल तिवारी, डाक्टर विशंभर अवस्थी, हरिओम शर्मा हांडली, ताराचंद शर्मा, महेश आचार्य, जगदीश भारद्वाज, विष्णु पाराशर, राधामोहन हुडला, प्रवीण कुमार शर्मा, रौतहडिया एडवोकेट विष्णु सिंह राजपूत, सतीश अग्रवाल, एडवोकेट ताराचंद अग्रवाल, मनमोहन तांबी, हरिमोहन खंडेलवाल, विनोद दीवली, गोपुत्र अवधेश अवस्थी सहितसवर्ण समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। बैठक के दौरान सवर्ण समाज महुवा जिला दौसा के तत्वाधान 27 फरवरी शुक्रवार को शाम 6 बजे यूजीसी एक्ट के खिलाफ सर्वसम्मति से सवर्ण समाज की बैठक अग्रवाल धर्मशाला पुरानी तहसील के पास महुवा में में रखी गई है। सवर्ण समाज से अपील है कि शाम 6 बजे अग्रवाल धर्मशाला पुरानी तहसील रोड महुवा में पहुंचने का कष्ट करें।

"भविष्य की उड़ान" शिक्षा के प्रति जागरूकता, उत्तरदायित्व एवं जनभागीदारी को दे रही बढ़ावा

-ग्रामवासियों एवं विद्यालय स्टाफ ने 31 हजार रुपए की राशि भेंट की

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सवाई माधोपुर जिले में संचालित अभिनव पहल "भविष्य की उड़ान" ग्रामीण समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता, उत्तरदायित्व एवं जनभागीदारी को सशक्त रूप से बढ़ावा दे रही है। इसी क्रम में खंडार क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बरनावदा के भौतिक विकास हेतु ग्रामवासियों एवं विद्यालय स्टाफ ने सामूहिक आर्थिक सहयोग से 31 हजार रुपए की राशि एकत्रित कर विद्यालय को दान स्वरूप प्रदान की गई है। कार्यक्रम अधिकारी समग्र शिक्षा हेमराज मीना ने बताया कि उक्त सहयोग राशि का चैक विद्यालय के प्रधानाचार्य उमेश वर्मा द्वारा मुख्यमंत्री जनसहभागिता विद्यालय विकास योजना के अंतर्गत जमा कराने हेतु जिला कलक्टर काना राम एवं एडीपीसी दिनेश कुमार गुप्ता को सौंपा गया। उन्होंने बताया कि 31 हजार रुपए के जनसहयोग पर राज्य सरकार से लगभग 46 हजार रुपए की अतिरिक्त राशि प्राप्त होगी। इस प्रकार विद्यालय को कुल 77 हजार रुपए उपलब्ध होंगे, जिससे विद्यालय में आईसीटी लैब मरम्मत एवं फर्नीचर क्रय सहित आवश्यक भौतिक विकास कार्य कराए जाएंगे।

इस दौरान सीडीईओ मीना लसाडिया, डीईओ प्रारंभिक देवी लाल मीणा, डीईओ माध्यमिक हरकेश मीणा सहित शिक्षा विभाग के जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ राजगढ़ पहुंचे पूर्व सांसद रामसिंह कस्वां की कुशलक्षेम पूछी

मोहम्मद अली पठान

राजगढ़ (रॉयल पत्रिका)। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ गुरुवार को राजगढ़ पहुंचे और पूर्व सांसद रामसिंह कस्वां से शिष्टाचार भेंट की और कहा यह व्यक्तिगत स्नेह और आत्मीयता का प्रतीक है, बल्कि सार्वजनिक जीवन में आपसी सम्मान और संबंधों की गरिमा को भी दर्शाती है। आज पूर्व सासद राम सिंह कस्वा के निवास पर चूरू जिले के दिग्गज नेताओं का जमावड़ा रहा। इससे पूर्व चूरू सांसद राहुल कस्वा ने आए हुए सभी राजनेताओं का फूल मालाओं से स्वागत किया। इस शिष्टाचार भेंट में क्षेत्र के अनेक सम्मानित सरपंच और पंचायत समिति सदस्य मौजूद रहे। राजगढ़ सादुलपुर सासद निवास पर पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आए हुए जिले भर से जनता को संबोधित कीया। सामाजिक दौरे पर आए पूर्व उपराष्ट्रपति ने पारिवारिक और रिश्तो की बातें करते हुए ऐसे

मजाकिया अंदाज में विचार व्यक्त किया कि लोग हंसने मुस्कुराने लगे। इस मौके पर वरिष्ठ राजनेता पूर्व सांसद रामसिंह कस्वां, वर्तमान सांसद राहुल कस्वां, पूर्व विधायक श्रीमती कमला कस्वां,पूर्व विधायक पदम श्री कृष्णा पूनियां, चूरू के पूर्व विधायक मकबूल मंडेलिया, चूरू नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महणसरिया, पूर्व प्रधान अमी लाल कस्वां आदि सहित बड़ी संख्या में जन प्रतिनिधि तथा जिले भर के नागरिक भी मौजूद रहे।

सीएम बहड़ सर्किल (पंखा सर्किल) से लाइट हटाकर अन्यत्र लगाई, सर्किल अंधेरे में डूबा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर प्रशासन लापरवाह क्यों है? आमजन की समस्याओं का समाधान समय पर क्यों नहीं हो रहा है? अपने मूल कर्तव्य से हटकर अधिकारीगण किस उधेड़बुन में लगे रहते हैं। स्वच्छता की ही बात करें तो, शहर में गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। सफाई के अभाव में नाले और नालियां के पास दुर्गंध फैली रहती है। स्वच्छता के लिए चलाया जा रहा अभियान सिर्फ कागजों में ही देखा जा सकता है। वास्तव में तो खुद कलेक्टर के कार्यालय के मुख्य गेट पर भी सफाई नहीं मिलेगी। इसके आसपास फैला कचरा खुद चीख-चीखकर प्रशासन के दावों की पोल खोल रहा है। शहर की दयनीय स्थिति बनी हुई है। अधिकारी केवल बात करते हैं। मुख्य मार्गों पर

रोड़ लाईट ना होना, चारों ओर गंदगी, टूटी सड़कें, खुले पड़े चैंबर अधिकारियों को दिखाई ही नहीं दे रहे हैं। सबसे दुखद बात तो यह है कि सीएम बहड़ सर्किल पंखा सर्किल पर लगी लाइट भी हटाकर कहीं दूसरी जगह लगा दी है। कोई कुछ नहीं बोल रहा है कि यहां से लाइट हटाकर अंधेरा क्यों कर दिया। प्रशासन की मनमानी चल रही है। यहां एक पीड़ित ने कहा कि नेता भी इन अधिकारियों जैसे ही हो गए हैं।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

रमजान एक पवित्र महीना है, जो इबादत-आत्म संयम-आत्म शुद्धि और जरूरतमंदों की मदद के लिए समर्पित है - अयूब खान

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। रिटायर्ड एडिशनल एसपी अयूब खान ने माहे रमजान की मुबारकबाद देते हुए कहा की माहे रमजान इस्लामिक कैलेण्डर का सबसे पवित्र महिना है। जो इबादत आत्म संयम, आत्म-शुद्धि और जरूरत मंदों की मदद के लिए समर्पित है। इस माह में रोजा रखना इस्लाम के प्रमुख पांच स्तम्भों (पिलर्स) में से एक है। इस महीने में पैगम्बर मोहम्मद साहब पर कुरआन-ए-पाक नाजिल हुआ। जो रूहानी तरक्की और भाई चारे का संदेश देता है। रमजान के पवित्र और पाक महीने में अल्लाह ने पैगंबर मोहम्मद साहब के जरीए कुराने-ए- पाक को मानवता के मार्ग-दर्शन के लिए भेजा। माहे रमजान में सुबह सेहरी से शाम इफ्तार, तक बिना कुछ खाए -पिए रोजा रखना केवल शारीरिक भूख को नियंत्रित नहीं करता । बल्कि आत्मा को शुद्ध करने और अल्लाह के करीब आने का एक बड़ा माध्यम है। इस महिने में की गई इबादत ओर नेकी का सवाब कई गुणा बढ़ जाता है। तराबीह की नमाज में पूरा कुरआने-ए-पाक पढ़ाया और सुनाया जाता है। रमजान का महिना दान-पुण्य और सहानुभूति अर्थात जकात की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। रमजान का महिना गरीबों और जरूरत मंदो की मदद करने की प्रेरणा देता है। जकात देने से सामाजिक एकता और भाईचारे को बढ़ावा मिलता है। यह महीना धैर्य, अनुशासन और बुरी आदतों को छोड़ने के अभ्यास का बेहतरीन समय देता है। इस महीने में शबे-ए-कद्र एक रात बेहद ख़ास आती है। जो इबादत के लिए बहुत पवित्र रात मानी जाती है। यह महीना रहमतों और बरकतों का महीना है। रमजान में रोजा रखना हर मुसलमान पर फर्ज है। रोजेदारों के लिए बाब-ए-रेयान नाम से एक खास दरवाजा बनाया गया है। जिससे रोजेदार सीधे ही जन्नत में दाखिल हो सकेंगे। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी रोजे की महत्व साबित हो चुकी है। रोजा रखने से शारीरिक फिटनेस बल्कि मानसिक संतुलन भी बना रहता है। अब तो शारीरिक शुद्धता के साथ-साथ यहां तक कि कैंसर तक की बीमारी से भी रोजे के माध्यम से बचाव की बात सामने आ रही हैं। माहे रमजान में कुरान शरीफ की नियमित रूप से तिलावत करनी चाहिए। अब तो कुरान शरीफ इतनी सरल भाषाओं में उपलब्ध है। इस्लामिक जरिये से कुरान शरीफ का तर्जुमा हर जुबान में आसानी से मिल जाता है। यह किताब पूरी इंसानियत को हकीकी रास्ता दिखलाती है। इस प्रकार हम निष्कर्ष रूप से कह सकते हैं कि रमजान पवित्र और बरकतों का महीना है । जो आत्म-चिंतन, सहन्शीलता, आत्म-शुद्धि और अल्लाह के प्रति पूर्ण रूप से समर्पण का महीना है। जो इन्सान को एक बेहतर इन्सान बनने के लिए प्रेरित करता है।

लोहिया महाविद्यालय में विकसित भारत युवा संसद-2026 का आयोजन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर खेल एवं युवा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के निर्देशानुसार राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरू में जिला स्तरीय विकसित भारत युवा संसद 2028 का आयोजन हुआ। विकसित भारत युवा संसद-2026 के कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. डॉ. मंजु शर्मा ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेन्द्र न्यौल, उप जिला प्रमुख, चूरू थे। कार्यक्रम की आयोजन सचिव माई भारत केन्द्र, चूरू की जिला समन्वयक श्रीमती मधु यादव थी। प्रो. एस. डी. सोनी, कैरियर पॉइंट विश्वविद्यालय, हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) व डॉ. महेन्द्र कुमार खारड़िया, जिला समन्वयक एनएसएस मंचसीन अतिथि थे। युवा संसद कार्यक्रम में चूरू जिले के 18 से 25 वर्ष के युवाओं ने भाग लिया तथा 'आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक' विषय पर तीन-तीन मिनट के भाषण के रूप में प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. डॉ. मंजु शर्मा ने कहा कि विकसित भारत युवा संसद-2026 भारत सरकार का युवाओं को समर्पित कार्यक्रम है, जिसमें युवाओं को बढ़-चढ़कर भाग लेकर राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना चाहिए, क्योंकि भविष्य युवाओं का ही है। उन्होंने प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि वे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर यों ही अपनी प्रतिभा एवं कौशल के बल बुते पर नई उंचाइयों को छुए। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए महेन्द्र कुमार न्यौल, उप जिला प्रमुख, चूरू ने बताया कि विश्व में भारत का लोकतंत्र सबसे मजबूत एवं सफल लोकतंत्र है तथा विश्व स्तर पर आई हुई विभिन्न चुनौतियों का सजगता के साथ में सामना करते हुए भारतीय लोकतंत्र ने अपने राजनीतिक, सामाजिक मूल्यों को बरकरार रखते हुए विश्व के सामने एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे भारतीय लोकतंत्र की

खूबसूरतियों को अपने जीवन में उतारें तथा युवाओं के लिए उपलब्ध विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक अवसरों का भरपूर सदुपयोग करना चाहिए। श्रीमती मधु यादव, जिला समन्वयक, माई भारत केन्द्र, चूरू ने विकसित भारत युवा संसद-2026 के उद्देश्य एवं रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए लोहिया महाविद्यालय, चूरू के प्रशासन को इस आयोजन को सफलतापूर्वक आयोजन हेतु बधाई दी। प्रो. एस. डी. सोनी ने भारतीय लोकतंत्र की खूबियों के बारे में बताते हुए युवाओं को प्रेरित किया कि वे देश के सामने आने वाली समस्त राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक चुनौतियों के बारे में ज्ञान रखते हुए उचित समाधान प्रस्तुत करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए बताया कि वक्ता को अपने विषय एवं विषय की प्रासंगिकता के बारे में सारगर्भित तरीके से अपनी बात रखनी चाहिए। डॉ. महेन्द्र कुमार खारडिया, जिला एनएसएस समन्वयक ने सभी अतिथियों, निर्णायक मण्डल सदस्यों व प्रतिभागियों का स्वागत्त एवं आभार व्यक्त किया।निर्णायक मण्डल के रूप में प्रो. डॉ. एस. डी. सोनी, राजेन्द्र मुसाफिर, सेवानिवृत शिक्षक, श्रीमती सरिता जोशी, जिला मंत्री, भाजपा महिला मोर्चा, कमलेश मीणा, आकाशवाणी चूरू, डॉ. मनोज कुमार, योगाचार्य, चूरू थे। प्रतिभागियों ने 'आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक' विषय पर तीन-तीन मिनट के भाषण के रूप में अपनी शानदार प्रस्तुतियां दी, जिसमें कृतिका दाधीच पुत्री राकेश दाधीच प्रथम स्थान, कुलदीप गुर्जर पुत्र धर्माराम द्वितीय स्थान, मेघना पारीक पुत्री सन्दीप कुमार पांडिया तृतीय स्थान, दिपांशी यादव पुत्री विक्रम सिंह यादव चतुर्थ, कुलदीप सिंह पुत्र राजवीर सिंह पंचम स्थान रहे। ये पांचों विजेता युवा राजस्थान विधानसभा, जयपुर में माननीय विधानसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित विकसित भारत युवा संसद-2026 के कार्यक्रम में भाग लेंगे कार्यक्रम की समाप्ति पर पांचों विजेता युवाओं को प्रमाण-पत्र व स्मृति चिह्न प्रदान कर अतिथियों ने सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन सह आचार्य डॉ. सुमेर सिंह ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. डॉ. अरविन्द शर्मा किया।

प्लास्टिक मुक्त सोजत की ओर कड़ा कदम:

20 हजार से अधिक जुर्माना, 100 किलो से ज्यादा प्लास्टिक जब्त

पाली (रॉयल पत्रिका)। नगर पालिका सोजत द्वारा चलाए जा रहे विशेष स्वच्छता अभियान के तहत शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में सख्त कार्रवाई जारी है। "सुरंगों सोजत - स्वच्छ सोजत" पहल के अंतर्गत बाजारों, सार्वजनिक स्थलों एवं मुख्य मार्गों पर गहन निरीक्षण अभियान चलाया गया। अधिशासी अधिकारी अचल सिंह गुर्जर ने बताया कि अब तक अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों से ₹ 20000 से अधिक का जुर्माना वसूला जा चुका है तथा 100 किलो से अधिक सिंगल यूज़ प्लास्टिक जब्त की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने वालों की फोटो एवं वीडियो रिकॉर्डिंग कर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है। यह केवल जुर्माना का अभियान नहीं बल्कि जन जागरूकता की मुहिम है । स्वास्थ्य

निरीक्षक पूनम चंद और गोविन्द चौहान द्वारा अभियान की निगरानी और समन्वय किया जा रहा है साथ ही दुकानदारों और नागरिकों को कपड़े एवं जूट के थैलों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। वहीं स्वच्छता एम्बेसेडर दिनेश उज्जवल ने शहरवासियों से अपील की कि वे "सुरंगों सोजत - स्वच्छ सोजत" संकल्प को सशक्त बनाएं और सोजत को स्वच्छ, सुंदर एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। नगर पालिका प्रशासन ने चेतावनी दी है कि भविष्य में नियमों की अवहेलना करने वालों पर और अधिक सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत शहर की बेहतर रैंकिंग के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान में पालिका कर्मचारी कनिष्ठ सहायक ऋषि टाक, शाहरुख, रवि और स्वच्छता साथियों द्वारा अमूल्य सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

वीना मीणा राज्य स्तरीय महिला किसान सम्मेलन में सम्मानित

हनीस शेख

नादौती (रॉयल पत्रिका)। कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी में क्षेत्र में नवाचार और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने से उद्देश्य से कृषि विश्वविद्यालय कोटा द्वारा राज्य स्तरीय कृषि ज्ञान महोत्सव का आयोजन हुआ महोत्सव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला व विशिष्ट अतिथि कृषि विश्वविद्यालय की कुलगुरू डॉ. विमला डुकवाल ने महोत्सव में महिलाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, प्रिसीजन फार्मिंग, इंटीग्रेटेड फार्मिंग, फसल विविधीकरण सहित कृषि

उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और मार्केटिंग से जुड़ी महिलाओं को सम्मानित किया जिसमें बडापुरा, रौसी निवासी वीणा मीना को मशरूम उत्पादन में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया।

विधानसभा में नियम 295 के तहत महवा मास्टर प्लान (2018–2038) के संशोधन हेतु विशेष उल्लेख प्रस्ताव पर बोले विधायक राजेंद्र मीना

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा विधानसभा क्षेत्र से विधायक राजेंद्र मीणा ने विधानसभा की कार्यवाही के दौरान नियम 295 के तहत नगरीय क्षेत्र महवा के मास्टर प्लान (2018–2038) में व्याप्त गंभीर त्रुटियों को लेकर विशेष उल्लेख प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। विधायक राजेंद्र मीणा ने बताया कि दिनांक 21.08.2023 को अधिसूचना जारी कर नगर पालिका महुवा का ड्राफ्ट मास्टर प्लान-2038 प्रकाशित किया गया था। इस ड्राफ्ट पर नगर पालिका के सभी पार्षदों द्वारा अधिशाषी अधिकारी को आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मास्टर प्लान बिना समुचित भौतिक सर्वे के, वर्तमान परिस्थितियों की अनदेखी करते हुए तैयार किया गया है, जिसके कारण

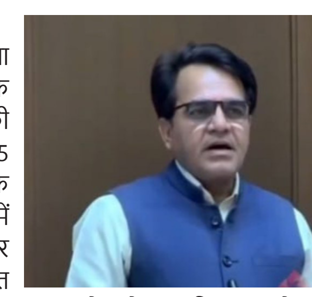

इसमें अनेक खामियां सामने आई हैं।उन्होंने बताया कि परिसीमन के अनुसार नवीन राजस्व गांवों को मास्टर प्लान में शामिल नहीं किया गया है, जो राजस्व अभिलेखों के विपरीत है। इसके अतिरिक्त ग्रीन बेल्ट, हाईवे कॉरिडोर, औद्योगिक क्षेत्र एवं सड़कों का चिन्हांकन भी वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाता और मनमाने तरीके से किया गया है। विधायक राजेंद्र मीणा ने बताया कि 19.09.2023 को आयोजित नगर पालिका मंडल की साधारण सभा की बैठक में दिनांक 21.08.2023 को अधिसूचित मास्टर प्लान-2038 को निरस्त करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया जा चुका है। विधायक राजेंद्र मीणा ने विधानसभा अध्यक्ष महोदय के माध्यम से नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री से मांग की है कि प्रकाशित ड्राफ्ट मास्टर प्लान पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए तथा वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप पुनः सर्वे कराकर संशोधित मास्टर प्लान तैयार कराया जाए, जिससे क्षेत्र के नागरिकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि महुवा के समुचित एवं संतुलित विकास के लिए यथार्थपरक, पारदर्शी और जनभावनाओं के अनुरूप मास्टर प्लान तैयार किया जाना आवश्यक है।

राजसखी मेले में उमड़ा जनसैलाब:

बाल विकास परियोजना, पाली की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने की जमकर खरीदारी

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन और राजीविका (राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद) के संयुक्त तत्वावधान में पाली में आयोजित राजसखी मेला महिला सशक्तिकरण और स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन का प्रमुख मंच बनकर उभर रहा है। मेले में लगातार बढ़ रही भीड़ और खरीदारी से इसका उत्साहपूर्ण माहौल साफ दिखाई दे रहा है। राजीविका जिला प्रबंधक परियोजना ने बताया कि मेले के पांचवें दिन बाल विकास परियोजना, पाली की टीम ने मेले का भ्रमण किया। इस दौरान सीडीपीओ सुरभि चौहान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और महिला समूहों के साथ विभिन्न

स्टालों पर पहुंचीं और ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने हस्तशिल्प, खाद्य सामग्री और अन्य स्थानीय उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना करते हुए स्टालों से उत्साहपूर्वक खरीदारी भी की। मेले में आगंतुकों का उत्साह बिक्री के आंकड़ों में भी स्पष्ट नजर आ रहा है। 24 फरवरी को कुल बिक्री 2 लाख 73 हजार 987 रुपये दर्ज की गई, जबकि पिछले चार दिनों में कुल संचयी बिक्री 7 लाख 62 हजार 732 रुपये तक पहुंच गई है। यह बढ़ती बिक्री स्वयं सहायता समूहों की मेहनत और मेले की लोकप्रियता को दर्शाती है।

इस अवसर पर सुरभि चौहान ने कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण महिलाओं को अपने उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराते हैं और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं। इससे महिलाओं की आर्थिक भागीदारी मजबूत होती है और परिवार की आय में भी सहयोग बढ़ता है। उन्होंने आमजन से अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुंचकर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं का उत्साहवर्धन करने की अपील की।

हलोंदा गुजरान में वन संरक्षण एवं जैव विविधता पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

-नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। वन विभाग द्वारा राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना के तहत हलोंदा गुजरान गांव में जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उप वन संरक्षक मानस सिंह के निर्देशन में सम्पन्न हुआ, जिसमें 70 से अधिक ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में फलोदी रेंजर विजय कुमार मीणा ने वन विभाग की विभिन्न योजनाओं, पौधरोपण, वन संरक्षण गतिविधियों तथा सामुदायिक भागीदारी की भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी। परियोजना समन्वयक झाबर मल यादव ने परियोजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीणों से जैव विविधता संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग में सक्रिय सहयोग की अपील की। इस अवसर पर गौत्तम परमार एंड पार्टी, बाड़मेर के कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक की प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई। कलाकारों ने सरल एवं रोचक तरीके से वन संरक्षण, पर्यावरण संतुलन तथा जैव विविधता के महत्व का संदेश देकर ग्रामीणों को जागरूक किया। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में राजाराम माली, दिनेश कुमार सैनी, सहायक वनपाल प्रकाश चंद जाट, वनरक्षक नरेंद्र कुमार मीणा सहित शिवसिंह गुर्जर, राजमल मीणा, मुकेश जंगम, लल्लू गुर्जर, देशराज गुर्जर एवं अन्य जागरूक ग्रामीण उपस्थित रहे।

नगर निकाय चुनाव-2026:

मतदाता सूची तैयारी के लिए बीएलओ को दिया प्रशिक्षण

-5 मार्च तक त्रुटिरहित प्रपत्र 'ए' जमा कराने के निर्देश, आमजन से नाम जुड़वाने की अपील

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान के निर्देशानुसार नगर निकाय आम चुनाव-2026 की तैयारियों के तहत नगर परिषद क्षेत्र के मतदान केन्द्रों के निर्धारण एवं मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इसी क्रम में गुरूवार को जिला परिषद सभागार में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी गौरव कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में नगर परिषद क्षेत्र के समस्त बूथ लेवल अधिकारियों को प्रपत्र 'ए' तैयार करने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तारनपुर के उप प्रधानाचार्य पारस चंद जैन एवं व्याख्याता डाईट राजेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा दिया गया। सभी बीएलओ को निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित प्रारूप में प्रपत्र 'ए' तैयार कर 5 मार्च

2026 तक अनिवार्य रूप से त्रुटिरहित जमा कराएं। प्रशिक्षण के दौरान नवगठित वार्डों की सीमाओं की जानकारी देने के लिए नगर परिषद सवाई माधोपुर के कनिष्ठ अभियंता भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सहयोग के लिए जयन्त शर्मा, हरगोविंद सिंह, चन्द्रेश गुप्ता, विजय कुमार जैन, देवकिशन गुर्जर, सावन बैरवा, हरिओम मीना एवं नरेन्द्र चक्रधारी सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि नगर परिषद चुनाव हेतु तैयार की जा रही मतदाता सूची में अपने एवं परिवार के पात्र सदस्यों के नाम नवगठित वार्डों के अनुसार जुड़वाने में सहयोग करें, ताकि प्रत्येक योग्य मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सके।

हरियाणा के 57 लाख स्कूली बच्चों के लिए मौखिक आरोग्य शिक्षा को बढ़ावा देने

कोलगेट-पामोलिव और हरियाणा सरकार की साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड ने आज हरियाणा सरकार के साथ अपनी प्रमुख पहल ब्राइट स्माइल्स, ब्राइट फ्यूचर्स0 के विस्तार हेतु एक महत्वपूर्ण सहयोग की घोषणा की है। इस साझेदारी के माध्यम से राज्य भर में 57 लाख स्कूली बच्चों तक आवश्यक मौखिक स्वास्थ्य शिक्षा पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

बीएसबीएफ कार्यक्रम वर्तमान में भारत के विभिन्न राज्यों में प्रतिवर्ष 1 करोड़ से अधिक बच्चों तक पहुंच बना रहा है और निवारक मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हरियाणा में बीएसबीएफ कार्यक्रम का विस्तार केवल स्वास्थ्य जागरूकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण है। बीएसबीएफ दुनिया के सबसे लंबे समय से संचालित और व्यापक मौखिक आरोग्य शिक्षा कार्यक्रमों में से एक है। हरियाणा जैसे राज्यों में इसका प्रभाव बच्चों की तात्कालिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ उनके दीर्घकालिक स्वास्थ्य और आत्मविश्वास को भी मज़बूत करता है। हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी

जी ने कहा, हमारे बच्चों का स्वास्थ्य और समग्र विकास, हरियाणा के भविष्य की आधारशिला है। कोलगेट के साथ यह सहयोग हमें पूरे राज्य में छात्रों के बीच मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और निवारक देखभाल से जुड़ी आदतों को मजबूत करने में मदद करेगा। यह पहल उनके आत्मविश्वास और समग्र विकास को भी सशक्त बनाएगी। पूरे राज्य में संचालित यह कार्यक्रम हरियाणा के सरकारी और निजी विद्यालयों की मौजूदा शिक्षा व्यवस्था में मौखिक स्वास्थ्य शिक्षा को एकीकृत करेगा। जीवन के प्रारंभिक वर्षों में, जब स्थायी आदतें विकसित होती हैं, उस समय निवारक देखभाल को मज़बूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मौजूदा शिक्षा प्रणाली के साथ इस एकीकृत दृष्टिकोण का उद्देश्य बड़े पैमाने पर और दीर्घकालिक व्यवहार परिवर्तन सुनिश्चित करना है। प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सुश्री प्रभा नरसिम्हन ने कहा,यह साझेदारी 57 लाख बच्चों के लिए जागरूकता से आगे बढ़कर व्यापक स्तर पर ठोस कार्रवाई की दिशा में एक प्रणालीगत बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के योनो एप की साझेदारी से अब रोजमर्रा की डिजिटल बैंकिंग में मिलेगा सिबिल स्कोर और रिपोर्ट का एक्सेस

मुंबई एजेंसी। भारत की अग्रणी क्रेडिट सूचना कंपनी ट्रांसयूनियन सिबिल ने आज स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के यू ओनली नीड वन (योनो) एप में उपभोक्ताओं के लिए सिबिल स्कोर और सिबिल रिपोर्ट को एकीकृत करने की घोषणा की है। इस सहज एकीकरण के जरिए बैंक के ग्राहक एप का इस्तेमाल करते समय सुरक्षित रूप से अपना सिबिल स्कोर और विस्तृत क्रेडिट जानकारी देख और ट्रैक कर सकेंगे।

इस एकीकरण में रिपोर्ट विश्लेषण, 'अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न' और क्रेडिट स्कोर प्रक्रिया को समझने के लिए खेल आधारित शिक्षण जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं। इसके अलावा, एप में उपलब्ध सिबिल स्कोर सिम्युलेटर फीचर ग्राहकों को विभिन्न क्रेडिट परिस्थितियों जैसे–नया ऋण या क्रेडिट कार्ड खाता खोलना या बंद करना, देर से भुगतान करना, क्रेडिट कार्ड बकाया राशि का निपटान करना, नई क्रेडिट जांच आदि–का आकलन करने में मदद करेगा, ताकि वे अपने सिबिल स्कोर पर पड़ने वाले प्रभाव को समझ सकें।

योनो एप पर सिबिल स्कोर और संबंधित सुविधाओं का यह एकीकरण क्रेडिट जागरूकता को रोज़मर्रा की बैंकिंग के केंद्र में लाता है और उपभोक्ताओं को आसान क्रेडिट जानकारी के माध्यम से अधिक सूचित वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम बनाता है।

दिसंबर 2025 में लॉन्च किया गया योनो का अपडेटेड संस्करण स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का एकीकृत डिजिटल बैंकिंग ऑल-इन-वन सुपर एप है, जो बैंकिंग, खरीदारी, बीमा, निवेश, बुकिंग और रोज़मर्रा की सेवाओं को एक ही मंच पर उपलब्ध कराता है। यह विभिन्न उपकरणों पर सहज रूप से काम करता है और व्यक्तिगत अनुभव तथा खर्च विश्लेषण प्रदान करता है, जिससे ग्राहक सुरक्षित, स्मार्ट और सहज डिजिटल अनुभव के माध्यम से अपनी वित्तीय और जीवनशैली संबंधी जरूरतें पूरी कर सकते हैं।

ट्रांसयूनियन सिबिल और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बीच यह सहयोग भारत के वित्तीय इकोसिस्टम में अहम भूमिका निभाने वाली दो संस्थाओं को एक साथ लाता है। देश के सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले डिजिटल बैंकिंग मंच–जिस पर लाखों सक्रिय ग्राहक भरोसा करते हैं–में सिबिल स्कोर और अन्य सुविधाओं को शामिल करके, यह पहल उपभोक्ता जागरूकता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के ट्रांसयूनियन सिबिल के प्रयासों को दर्शाती है।

आम परिवार का लड़का बालीवुड पर कर रहा राज

शाहिद कपूर के बैकग्राउंड डांसर से 'ओ रोमियो' बनने तक की कहानी

शाहिद कपूर ने अपने दो दशक से ज्यादा के करियर में कमर्शियल ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उनकी हैदर, कबीर सिंह और उड़ता पंजाब जैसी फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस की क्रिटिक्स ने भी खूब तारीफ की है। इसी के साथ शाहिद कपूर ने खुद को हिंदी सिनेमा के एक सच्चे पावरहाउस के तौर पर इंडस्ट्री में मज़बूती से एस्टैब्लिश कर लिया है । कभी वे हिंदी सिनेमा की क्लासिक फिल्मों में बैकग्राउंड डांसर थे लेकिन आज अपनी मेहनत के दम पर वे इंडस्ट्री के सबसे भरोसेमंद और वर्सेटाइल स्टार्स में से एक बन चुके हैं, इतने सालों में, उन्होंने अपनी मैग्नेटिक स्क्रीन प्रेजेंस, ध्यान से चुने गए रोल्स और ज़बरदस्त डांस मूव्स से लाखों दिलों पर कब्ज़ा किया है। शाहिद कपूर का नई दिल्ली में हुआ था उनके पिता पंकज कपूर हिंदी सिनेमा और थिएटर का जाना-माना नाम हैं, जबकि उनकी मां नीलिमा अज़ीम एक सेंसिटिव एक्ट्रेस और ट्रेंड डांसर रही हैं, लेकिन शाहिद का बचपन किसी फिल्मी कहानी जितना आसान नहीं था। जब वह सिर्फ तीन साल के थे, तो उनके माता-पिता का तलाक हो गया था। इससे उनकी ज़िंदगी शुरू में ही सीरियस हो गई। पढ़ाई के साथ-साथ उनका मन हमेशा स्टेज और कैमरे की तरफ खिंचता रहा। एक्टिंग और डांस उनके लिए सिर्फ़ शौक नहीं थे, बल्कि खुद को एक्सप्रेस करने का एक ज़रिया बन गए थे। इस दौरान उन्होंने देश के मशहूर कोरियोग्राफर श्यामक डावर के डांस इंस्टीट्यूट से प्रोफेशनल डांस ट्रेनिंग ली। शाहिद फिल्म 'दिल तो पागल है' और 'ताल' में बैकग्राउंड डांसर थे। कुछ ऑडिशन में, उन्हें सिर्फ इसलिए रिजेक्ट कर दिया गया क्योंकि उनका लुक हीरो जैसा नहीं लग रहा था 'विवाह' और 'जब वी मेट' के बाद, शाहिद ने अपनी सेफ इमेज से बाहर निकलकर रिस्क लेना शुरू कर दिया। उन्होंने 'कमीने' में एक डार्क और रफ किरदार निभाकर क्रिटिक्स को हैरान कर दिया। 'हैदर' में उनकी ज़बरदस्त परफॉर्मेंस उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक मानी जाती है, और इसके लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड भी मिला. 'उड़ता पंजाब', 'पद्मावत' और 'कबीर सिंह' जैसी फिल्मों ने साबित कर दिया कि शाहिद किसी भी तरह के रोल में खुद को ढाल सकते हैं. अब शाहिद कपूर फिल्म 'ओ रोमियो' में से धमाल मचा रहे हैं।

संजय लीला भंसाली बिल्कुल ठीक हैं : परिवार

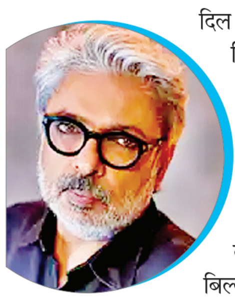

दिल का दौरा पड़ने के बाद फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली को अस्पताल में भर्ती कराए जाने की खबरों के बीच उनके परिवार ने बुधवार को बताया कि भंसाली बिल्कुल ठीक हैं। परिवार ने भंसाली को दिल का दौरे पड़ने की पुष्टि नहीं की और न ही इसका जिक्र किया, हालांकि बताया कि वह नियमित जांच के लिए अस्पताल गए थे। परिवार ने कहा, संजय लीला भंसाली बिल्कुल ठीक हैं। उन्होंने नियमित चिकित्सा जांच कराई है और चिंता की कोई बात नहीं है। हम आप सभी के स्नेह के लिए दिल से आभारी हैं। आपके निरंतर समर्थन और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मीडिया में आई खबरों में दावा किया गया था कि भंसाली को मंगलवार को उनके 63वें जन्मदिन पर दिल का दौरा पड़ा और उन्हें कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल ले जाया गया।

उच्चतम न्यायालय का फिल्म यादव जी की लव स्टोरी पर प्रतिबंध लगाने से इनकार

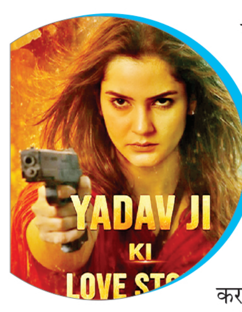

उच्चतम न्यायालय ने आने वाली फिल्म यादव जी की लव स्टोरी पर बुधवार को प्रतिबंध लगाने या उसके नाम में बदलाव करने के अनुरोध वाली याचिका को यह कहकर खारिज कर दिया कि यह नाम यादव समुदाय को किसी भी तरह से अपमानजनक तरीके से चित्रित नहीं करता है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने संगठन विश्व यादव परिषद के प्रमुख द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया।पीठ ने रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री का अध्ययन किया और पाया कि मुख्य शिकायत यह थी कि फिल्म का नाम समाज में यादव समुदाय को गलत तरीके से दर्शाता है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, इसलिए, यह दलील दी जा रही है कि फिल्म का नाम बदला जाना चाहिए। हम यह समझने में असमर्थ हैं कि फिल्म का शीर्षक किस प्रकार समुदाय को अपमानजनक रूप में चित्रित कर सकता है।

कॉमेडी और इमोशन के दो छोर पर खड़ी

संदीपा धर

बताया 'चुंबक' और 'दो दीवाने सहर में' ने कैसे बदला अभिनय सफर

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की दुनिया में एक कलाकार की पहचान उसके प्रोजेक्ट्स के सेलेक्शन से बनती है। ऐसे में अगर कलाकार अलग-अलग जॉनर में खुद को आजमाने का रिस्क उठाए, तो उसका सफर और भी दिलचस्प हो जाता है। इन दिनों एक्ट्रेस संदीपा धर अपने दो बिल्कुल अलग-अलग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। एक ओर वह आने वाले शो 'चुंबक' में हल्की-फुल्की फैमिली कॉमेडी का हिस्सा हैं, तो दूसरी ओर फिल्म 'दो दीवाने शहर में' में उनका किरदार नैना दर्शकों को इमोशनल कर रहा है। एक दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि कैसे इन दोनों प्रोजेक्ट्स ने उन्हें एक कलाकार के रूप में चुनौतियां दीं। संदीपा 'चुंबक' को लेकर बेहद उत्साहित नजर आईं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के बारे में बताया कि यह एक ऐसी फैमिली कॉमेडी है, जिसे हर उम्र का दर्शक साथ बैठकर देख सकता है। उन्होंने कहा, ''आज के दौर में कंटेंट अक्सर बोल्ड देखने को मिलता है, लेकिन 'चुंबक' रिश्तों की गर्माहट को महसूस करने की कोशिश करता है। इसमें किसी तरह की भद्दी कॉमेडी या असहज करने वाले जोक्स नहीं हैं। कहानी पड़ोसियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां लोग एक-दूसरे के घर बेझिझक आते-जाते हैं, साथ खाना खाते हैं, जिससे रिश्ते अपनेपन वाले बनते थे।'' संदीपा मानती हैं कि आज के समय में यह पड़ोस कल्चर लगभग खत्म हो चुका है और 'चुंबक' उसी खोए हुए अपनापन को वापस लाने की कोशिश है।संदीपा के लिए कॉमेडी का अनुभव नया है। इस पर उन्होंने कहा, ''कॉमेडी जितनी सहज दिखती है, उतनी होती नहीं है। टाइमिंग, रिएक्शन और सिचुएशनल ह्यूमर को पकड़ना आसान नहीं होता। इसमें रिद्म और सटीकता बेहद जरूरी है। लेकिन अनुभवी कलाकारों के साथ काम करने से काफी कुछ सीखने को मिल रहा है। सेट पर हल्के-फुल्के माहौल और टीम के सपोर्ट ने इस जॉनर को समझने में मेरी काफी मदद की है। नीना गुप्ता, सुमित राघवन, सुमित व्यास और देवेन भोजानी जैसे कलाकारों के साथ शूटिंग करना किसी एक्टिंग स्कूल से कम नहीं है। सेट पर कोई सीनियर-जूनियर नहीं है, सब दोस्त जैसे हैं और माहौल पूरी तरह फैमिलियर हो चुका है। अब जैसे-जैसे शूटिंग खत्म होने को है, तो सभी के मन में एक अजीब-सी उदासी महसूस हो रही है।''संदीपा के लिए इसके बिल्कुल उलट 'दो दीवाने सहर में' का अनुभव भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण रहा।

जिंदगी को आसान बनाने का फंडा

खुशी में वादे न करो और दुख में फैसला न करो भाग्यश्री

अभिनेत्री भाग्यश्री अपनी शानदार अदाकारी और सकारात्मक सोच के लिए फैंस के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज करवाती रहती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम के जरिए जिंदगी को खुलकर जीने की सलाह दी। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट कर कैप्शन लिखा, 'जिंदगी के आसान फंडे खुशी में वादे न करो, दुख में फैसला न करो, गुस्से में जवाब न दो और किसी के दर्द का कारण न बनो। ये जीवन को सही तरीके से जीने के लिए कुछ आसान उसूल हैं। उन्होंने लिखा, 'जिंदगी के आसान सूत्र। कभी-कभी सबसे सरल चीजें भी मुश्किल हो जाती हैं, जब हम जरूरत से ज्यादा करने की कोशिश करते हैं। इससे यह सीख मिलती है कि किसी काम को तभी करें जब हमारा मन शांत और संतुलित हो। ' भाग्यश्री सोशल मीडिया पर इस तरह के वीडियो पोस्ट कर सकारात्मकता फैलाती हैं। उन्होंने अपने इस वीडियो के माध्यम से समझाया है कि जीवन में असली खुशी और मजबूती अंदर के विचारों से आती हैं, न की बाहरी दिखावे से। फैंस उनके पोस्ट को काफी पसंद कर रहे हैं। साथ ही, उनके इस मैसेज से अपनी सहमति जाहिर कर रहे हैं।भाग्यश्री ने भले ही फिल्मों में कम काम किया हो, लेकिन अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाई है। पहली फिल्म मैंने प्यार किया में काम कर उन्होंने अपनी सादगी से दर्शकों का ध्यान खींचा था। वह फिल्म की रिलीज के बाद रातों रात स्टार बन गई थीं। हालांकि इससे पहले वे टीवी सीरियल 'कच्ची धूप' में नजर आ चुकी थीं। आगे चलकर उन्होंने हिमालय दसानी से शादी की थी और परिवार को प्राथमिकता देते हुए सिनेमा से ब्रेक ले लिया था। भाग्यश्री ने हमेशा अपनी शर्तों पर काम किया है। अब वह 'थलाइवी', 'राधे श्याम' और 'किसी का भाई किसी की जान' जैसी हिंदी फिल्मों में सहायक भूमिकाओं के साथ सक्रिय हैं।

अंजलि अरोड़ा

को पसंद हैं जाट लड़के

कच्चा बादाम गर्ल के मन में क्या चल रहा

अंजलि अरोड़ा ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि उन्हें जाट लड़के पसंद हैं. साथ ही शादी को लेकर अपनी पसंद बताते हुए कहा कि वह दूसरे धर्म में शादी करना चाहती हैं सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर अंजलि अरोड़ा इन दिनों जमकर सुर्खियां बटोरी रही हैं। अक्सर उनके रील्स ट्रेंड करते हैं, जिन पर मिलियन्स में व्यूज आते हैं, लेकिन इस बार वह अपने जवाब के चलते वायरल हो रही हैं। इतना ही नही, कहा जा रहा है कि वह जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू कर सकती है। अब हाल ही में एक पॉडकास्ट में अंजलि अरोड़ा ने बताया कि उन्हें कैसे लड़के पसंद है। इतना ही नहीं कच्चा बादाम गर्ल ने यह भी रिवील किया कि वह किस धर्म में शादी करना चाहती हैं। हाल ही में अंजलि अरोड़ा एल्विश यादव के पॉडकास्ट में नजर आई। पॉडकास्ट में जब बात पसंदीदा लड़कों पर आई तो माहौल हल्का-फुल्का और मजेदार हो गया। अंजलि ने बिना झिझक कहा कि उन्हें जाट लड़के पसंद हैं उनके इस जवाब पर एल्विश ने भी तुरंत चुटकी ली। सोशल मीडिया पर ये क्लिप तेजी से वायरल हो रही है और फैंस इस पर मजेदार रिएक्शन दे रहे ।

अक्षय कुमार-प्रियदर्शन की जोड़ी फिर साथ, 'रामजी आके भला करेंगे' टीज़र में दिखा पीक कॉमेडी का अंदाज़

'भूत बंगला' 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जो 14 साल बाद बॉलीवुड के दो दिग्गजों अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी को वापस साथ ला रही है। बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म ने उन दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है, जो इस जोड़ी की कल्ट कॉमेडी फिल्में देखकर बड़े हुए हैं। इस चर्चा को और बढ़ाते हुए, मेकर्स ने फिल्म के पहले गाने 'रामजी आके भला करेंगे' का टीज़र रिलीज कर दिया है। टीज़र में अक्षय कुमार अपने पुराने और असली अंदाज़ में नज़र आ रहे हैं, जो दर्शकों को याद दिलाता है कि आखिर क्यों वो बॉलीवुड के सबसे एंटरटेनिंग कलाकारों में से एक माने जाते हैं। यह पेप्पी और हाई-एनर्जी गाना अपनी वाइब्रेंट विजुअल्स, कैची बीट्स और अक्षय की सिग्नेचर कॉमिक टाइमिंग से भरपूर है। प्रीतम द्वारा कंपोज किए गए और कुमार के लिखे इस गाने को देव अरिजीत ने गाया है, साथ ही मेलो डी का लिखा और परफॉर्म किया गया रैप सेगमेंट इस गाने को ऐसा बना देता है जिसे आप स्किप नहीं कर पाएंगे! यह टीज़र सिर्फ एक गाने की झलक भर नहीं है, बल्कि एक लेजेंड्री क्रिएटिव जोड़ी की वापसी का संकेत है। 'भूत बंगला' के साथ, अक्षय कुमार और प्रियदर्शन अपनी वही जानी-पहचानी कॉमिक पागलपन वापस लाने का वादा कर रहे हैं, बालाजी मोशन पिक्चर्स (बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक डिवीजन) और केप ऑफ गुड फिल्म्स साथ मिलकर पेश कर रहे हैं 'भूत बंगला', जिसमें अक्षय कुमार, वामीका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव जैसे कलाकार नजर आएंगे। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फिल्म को अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

(साभार एजेंसी)

बॉक्सिंग में मेवेदर और पैकियाओ के बीच ऐतिहासिक री-मैच सितंबर में

सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फाइट के दोनों दिग्गज बॉक्सर एक बार फिर होंगे आमने-सामने

लास वेगास (एजेंसी)। मुक्केबाजी की दुनिया के दो सबसे बड़े दिग्गज फ्लॉयड मेवेदर जूनियर और मैनी पैकियाओ एक बार फिर प्रोफेशनल रिंग में आमने-सामने होंगे। इस ऐतिहासिक री-मैच की घोषणा कर दी गई है, जो 19 सितंबर को लास वेगास के अत्याधुनिक 'द स्फीयर' में होगा। दोनों खिलाड़ी 11 साल बाद एक बार फिर आमने-सामने होंगे। इससे पहले 2 मई 2015 को हुई उनकी

पहली भिड़ंत ने कमाई और व्यूअरशिप के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। उस फाइट से 410 मिलियन डॉलर (करीब 2680 करोड़ रुपए) का रेवेन्यू जनरेट हुआ था जबकि टिकट विंडो से 72.2 मिलियन डॉलर (करीब 470 करोड़) की कमाई हुई थी। वह मुकाबला मेवेदर ने अपने नाम किया था।

मेवेदर का 50-0 का परफेक्ट रिकॉर्ड जबकि पैकियाओ ने पिछले साल की थी वापसी- अमेरिका के मेवेदर ने हाल ही में रिंग में वापसी की पुष्टि की। 49 वर्षीय मेवेदर 2017 में कोनोर मैक्ग्रेगोर को हराने के बाद 50-0 के परफेक्ट रिकॉर्ड के साथ रिटायर हुए थे। वहीं, फिलीपींस के 47 वर्षीय पैकियाओ ने भी 2025 में मारियो बैरियोस के खिलाफ ड्रॉ खेलकर रिंग में वापसी की है। उन्होंने करियर में 73 फाइट में से 62 जीती हैं।

रिंकू के पिता नोएडा के अस्पताल में भर्ती

- क्रिकेटर टीम इंडिया को छोड़कर घर लौटे, जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलना मुश्किल

अलीगढ़ (एजेंसी)। क्रिकेटर रिंकू सिंह टीम इंडिया का साथ छोड़कर घर लौट गए हैं। दरअसल, लिवर कैंसर से जूझ रहे रिंकू के पिता खानचंद सिंह की तबीयत अचानक बिगड़ गई। फिलहाल वे ग्रेटर नोएडा के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती हैं। मीडिया सूत्र के अनुसार मुताबिक जब रिंकू को पिता के बारे में जानकारी मिली, उस वक्त वे चेन्नई में थे। बीसीसीआई के सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि रिंकू प्रैक्टिस सेशन में भी शामिल नहीं हुए। परिवार में आई मेडिकल इमरजेंसी के कारण रिंकू का 26 फरवरी को जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलना भी मुश्किल लग रहा है।

पिता को फोर्थ स्टेज का लिवर कैंसर है- क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह को फोर्थ स्टेज का लिवर कैंसर है। उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद घरवालों ने उन्हें ग्रेटर नोएडा के सेक्टर ओमेगा वन के यथार्थ अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

ब्रुक शतक लगाने वाले पहले कप्तान

बाबर लोएस्ट स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज, इंग्लैंड लगातार 5वीं बार सेमीफाइनल में

कोलंबो (एजेंसी)। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप में इतिहास रचते हुए लगातार 5वीं बार सेमीफाइनल में जगह बना ली। मंगलवार रात पाकिस्तान को 2 विकेट से हराकर टीम इस एडिशन के नॉकआउट में पहुंचने वाली पहली टीम बनी। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक बतौर कप्तान टी-20 वर्ल्ड कप में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। वहीं पाकिस्तान के बाबर आजम इस टूर्नामेंट में सबसे कम स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाजों में शामिल हो गए।

- **इंग्लैंड लगातार 5वीं बार सेमीफाइनल में-** इंग्लैंड टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार पांचवीं बार सेमीफाइनल में पहुंच गया है। टीम 2016 से 2026 तक लगातार पांच बार सेमीफाइनल में पहुंची है। इससे पहले पाकिस्तान और श्रीलंका चार-चार बार लगातार अंतिम चार में पहुंचे थे, लेकिन इंग्लैंड अब इस मामले में सबसे आगे निकल गया है।
- **बाबर आजम सबसे कम स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज-** टी-20 वर्ल्ड कप में जहां बल्लेबाजों से तेज रन बनाने की उम्मीद होती है, वहीं बाबर आजम का स्ट्राइक रेट 111.5 रहा है, जो 500 से ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबसे कम है। इस लिस्ट में हफीज, संगकारा और विलियमसन जैसे बड़े नाम भी हैं, लेकिन बाबर सबसे नीचे हैं।
- **शाहीन पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज-** शाहीन अफरीदी नई गेंद से टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास के सबसे खतरनाक गेंदबाज साबित हुए हैं। उन्होंने पावरप्ले में 18 विकेट लेकर इस फेज में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया।
- **शाहीन सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पाकिस्तानी बॉलर-** पाकिस्तान के लिए टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अब शाहीन अफरीदी के नाम है। उन्होंने 102 मैचों में 135 विकेट लेकर हारिस रऊफ को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 133 विकेट हैं।

वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक जड़ा

हैरी ब्रूक ने कप्तान रहते हुए पाकिस्तान के खिलाफ 100 रन की पारी खेलकर इतिहास रच दिया। वह टी-20 वर्ल्ड कप में शतक लगाने वाले पहले कप्तान बने। इससे पहले क्रिस गेल का 98 रन सर्वोच्च स्कोर था। ब्रूक टी-20 वर्ल्ड कप रन चेज में शतक लगाने वाले चौथे बल्लेबाज भी बने।
ब्रूक दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज- हैरी ब्रूक ने 50 गेंदों में शतक लगाकर टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक जड़ा। वह सिर्फ क्रिस गेल (47 गेंद) से पीछे हैं। साथ ही ब्रूक इंग्लैंड के लिए तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले तीसरे खिलाड़ी भी बने। उनसे पहले जोस बटलर, डेविड मलान ऐसा कर चुके हैं।

अब पाकिस्तान का क्वालिफिकेशन दूसरों के भरोसे

इंग्लैंड टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। टीम ने मंगलवार को ग्रुप-2 में पाकिस्तान को 2 विकेट से हराया और नॉकआउट राउंड में एंट्री की। 2010 और 2022 की चैंपियन टीम ने लगातार पांचवें एडिशन के सेमीफाइनल में जगह बनाई।दूसरी ओर पाकिस्तान सुपर-8 स्टेज में एक भी मैच नहीं जीत सका। टीम को अब क्वालिफाई करने के लिए श्रीलंका के खिलाफ आखिरी मैच जीतने के साथ न्यूजीलैंड के हारने की दुआ भी करनी होगी।

- **भारत को क्वालिफाई जीतना होगा दोनों मैच?**

ग्रुप-1 पॉइंट्स टेबल में फिलहाल वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका 2-2 पॉइंट्स के साथ टॉप-2 पोजिशन पर हैं। भारत और जिम्बाब्वे आखिरी 2 पोजिशन पर हैं, दोनों का रन रेट माइनस में है।भारत को सीधे क्वालिफाई करने के लिए आखिरी दोनों मैच जीतने होंगे, साथ ही साउथ अफ्रीका के वेस्टइंडीज के खिलाफ जीतने की उम्मीद भी करनी

होगी।भारत आखिरी दोनों मैच जीत गया और वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका को हरा दिया तो 3 टीमों के 4-4 पॉइंट्स हो जाएंगे। ऐसे में क्वालिफाई करने के लिए भारत को अपना रन रेट बाकी टीमों से बेहतर रखना होगा।भारत अगर एक भी मैच हारा तो टीम नॉकआउट की रेस से बाहर हो जाएगी।

ग्रुप-1 में बाकी टीमों के क्या समीकरण हैं?- साउथ अफ्रीका अब वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे को हराकर सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। टीम एक भी मुकाबला हारी तो उन्हें अपना रन रेट बेहतर रखना होगा। दोनों मैच हारने पर टीम बाहर हो जाएगी। वेस्टइंडीज को क्वालिफाई करने के लिए साउथ अफ्रीका और भारत के खिलाफ आखिरी दोनों मैच जीतने होंगे। टीम एक भी मुकाबला हारी तो उन्हें अपना रन रेट बेहतर रखना होगा। दोनों मैच हारने पर टीम बाहर हो जाएगी।जिम्बाब्वे एक मैच हार चुकी है। टीम को क्वालिफाई करने के लिए भारत और साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी दोनों मैच जीतने ही होंगे। एक भी मैच हारने पर टीम बाहर हो जाएगी।

- **इंग्लैंड नॉकआउट में पहुंचा, पाकिस्तान की उम्मीदें कम**

ग्रुप-2 में 4 पॉइंट्स के साथ इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी मैच जीतकर टीम अपने ग्रुप में नंबर-1 पर फिनिश कर सकती है। अगर श्रीलंका से न्यूजीलैंड जीता तो श्रीलंका बाहर हो जाएगी, फिर टीम पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी मैच जीतकर भी क्वालिफाई नहीं कर पाएगी।

16 साल पहले आज ही सचिन ने लगाया था दोहरा-शतक

उनके बाद 4 भारतीयों ने डबल सेंचुरी लगाई, रोहित के नाम सबसे बड़ा स्कोर

नईदिल्ली (एजेंसी)। 16 साल पहले मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने इतिहास रचा था। 24 फरवरी 2010 को ग्वालियर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सचिन वनडे क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। इस ऐतिहासिक पारी में सचिन ने 147 गेंदों का सामना करते हुए 25 चौके और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 200 रन बनाए। यह वनडे इतिहास का पहला ही दोहरा शतक था।

सईद अनवर का रिकॉर्ड तोड़ा था- वनडे क्रिकेट में सचिन से पहले 2 बैटर्स 194 तक पहुंचे थे। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सईद अनवर ने 1997 में भारत के खिलाफ चेन्नई में ही 194 रन बनाए थे। 2009 में फिर जिम्बाब्वे के चार्ल्स कॉवेंट्री ने बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 194 रन की पारी खेली थी।

- **सचिन ने 5 बार 150+ का स्कोर बनाया-** सचिन ने वनडे इंटरनेशनल में 5 बार 150 या उससे ज्यादा के स्कोर बनाए। डबल सेंचुरी के अलावा सचिन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 186, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 175, न्यूजीलैंड के खिलाफ ही 163 और नामीबिया के खिलाफ 152 रन बनाए हैं।

स्टीव बकनर ने माना- तेंदुलकर को एलबीडब्ल्यू देना गलती थी

अंपायर स्टीव बकनर ने सचिन तेंदुलकर को गाबा टेस्ट में आउट होने पर माना है कि उनसे गलती हो गई थी। वेस्टइंडीज के पूर्व अंपायर ने मैच के 22 साल बाद कहा कि आज भी लोग उनसे इसके बारे में सवाल करते हैं।दरअसल, 2003-04 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर स्टीव बकनर ने सचिन तेंदुलकर को एलबीडब्ल्यू आउट दिया था। यह मैच ड्रॉ हो गया था। 4 मैचों की सीरीज भी 1-1 से बराबरी पर रही थी।

3 रन पर आउट हुए थे तेंदुलकर- पहले टेस्ट में सचिन तेंदुलकर 3 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी की गेंद को उन्होंने छोड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके पैड पर लगी। जोरदार अपील के बाद स्टीव बकनर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट दे दिया। बाद में टीवी रीप्ले में स्पष्ट हुआ कि गेंद स्टंप के ऊपर से जा रही थी।

रणजी ट्रॉफी फाइनल

जम्मू-कश्मीर कप्तान पारस डोगरा और कर्नाटक के केवी अनीश के बीच झड़प

जम्मू (एजेंसी)। हुबली में खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन मुकाबला उस समय तनावपूर्ण हो गया जब जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा और कर्नाटक के सब्स्टीट्यूट फील्डर केवी अनीश के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। बहस इतनी बढ़ी कि डोगरा ने अनीश को हेडबट मार दिया, जिसके बाद मैदान पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। खिलाड़ियों और अंपायरों को हस्तक्षेप कर स्थिति संभालनी पड़ी। इस घटना ने हाई-प्रोफाइल फाइनल के रोमांच के बीच अनुशासन और खेल भावना पर भी सवाल खड़े कर दिए। यह घटना जम्मू-कश्मीर की पारी के 101वें ओवर में हुई। डोगरा ने तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर शानदार शॉट खेलकर बाउंड्री हासिल की। इसके तुरंत बाद सिली पॉइंट पर तैनात अनीश के साथ उनकी कहासुनी शुरू हो गई। चश्मदीदों के अनुसार, बहस बढ़ने पर डोगरा अनीश की ओर बढ़े और हेलमेट पहने फील्डर को हेडबट मार दिया। स्थिति बिगड़ती देख कर्नाटक कप्तान मयंक अग्रवाल सहित अन्य खिलाड़ियों ने बीच-बचाव किया। अंपायरों ने भी दोनों को अलग कर मैच दोबारा शुरू कराया।पारस डोगरा पहले दिन 48 गेंदों पर 9 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे।

भारतीय कमेंटेटर ने कोच गंभीर पर कसा तंज, बोले- हर समस्या का एक ही इलाज वॉशिंगटन सुंदर

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की 76 रन की करारी हार के बाद टीम चयन और रणनीति पर तीखी बहस छिड़ गई है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज और कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने हेड कोच गौतम गंभीर के फैसलों पर सवाल उठाते हुए वॉशिंगटन सुंदर को हर समस्या का एक ही इलाज करार दिया।

सुपर-8 मुकाबले में भारत ने एकमात्र बदलाव करते हुए अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल किया। लेकिन यह दांव उल्टा पड़ता दिखा।

नेट रन रेट और टीम का आत्मविश्वास दोनों प्रभावित हुए; इस बदलाव से बल्लेबाज़ी संतुलन बिगड़ गया और फिनिशिंग क्रम में भी गड़बड़ी देखने को मिली।

मांजरेकर ने लाइव चर्चा के दौरान कहा, पहले एक दवा हुआ करती थी कैलास जीवन।

सिरदर्द हो या पेट दर्द, हर चीज़ का एक ही इलाज। गौतम गंभीर के पास भी हर समस्या का एक ही समाधान है वॉशिंगटन सुंदर।

उन्होंने आगे कहा, बैटिंग की दिक्कत है तो वॉशी, बॉलिंग की दिक्कत है तो वॉशी। आज उन्हें नंबर 5 पर भेज दिया गया, जबकि रिंकू सिंह और हार्दिक पांड्या नंबर 7 पर आए। यह कुछ ज़्यादा हो गया। सुंदर को नंबर 5 पर प्रमोट करने से विशेषज्ञ फिनिशरों को नीचे आना पड़ा- रिंकू सिंग नंबर 6 पर, हार्दिक पंड्या नंबर 7 पर, आलोचकों का मानना है कि इस फेरबदल से भारत की फिनिशिंग ताकत कमजोर हुई, जो टी20 क्रिकेट में टीम की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती रही है।

दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज़ों ने खासकर स्लोअर गेंदों और वैरिएशन से भारतीय बल्लेबाज़ों को परेशान किया। मांजरेकर ने तकनीकी कमी की ओर इशारा करते हुए कहा, तेज गेंदबाज़ी को भूल जाइए, असली समस्या स्लोअर गेंदों और स्पिन के खिलाफ है। कप्तान खुद भी धीमी गेंदों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। यह संकेत है कि विरोधी टीमें अब इसी कमजोरी को निशाना बनाएंगी। बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने स्वीकार किया कि संयोजन पर दोबारा विचार किया जा सकता है। वहीं सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने माना कि विशेषज्ञ बल्लेबाज़ों के विकल्पों की कमी चिंता का विषय है।

एफआईएच प्रो लीग 2025-26: 1-1 की बराबरी के बाद शूटआउट में स्पेन ने भारत को हराया

होबार्ट (एजेंसी)। एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के ऑस्ट्रेलिया चरण में भारत को स्पेन के खिलाफ कड़ी टक्कर के बाद शूटआउट में 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 से बराबर रहा, लेकिन पेनल्टी शूटआउट में चूकों ने भारत से जीत छीन ली। मैच तसमानिया हाकी सेंटर में खेला गया। स्पेन ने शुरुआत में आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन भारतीय गोलकीपर मोहित ने शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर बचाकर टीम को संभाले रखा। 19वें मिनट में कप्तान हार्दिक सिंह ने बेहतरीन टर्न लेते हुए मनिंदर सिंह को पास दिया, जिन्होंने जोरदार टोमहॉक शॉट लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। तीसरे क्वार्टर में स्पेन ने लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन भारतीय डिफेंस और गोलकीपर ने शानदार बचाव किया। भारत को भी मौके मिले, पर स्पेनिश गोलकीपर लुइस कालजाडो ने अहम सेव किए। भारत 59वें मिनट तक 1-0 से आगे था, लेकिन एक रक्षात्मक चूक का फायदा उठाते हुए ब्रूनो फॉन्ट ने शानदार गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। अंतिम सेकंडों में स्पेन को लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, पर भारतीय रक्षा पंक्ति ने उन्हें रोक दिया।

राष्ट्रीयता के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए

पाकिस्तानी खिलाड़ियों को द हंड्रेड से बाहर करने की अटकलों के बीच ईसीबी ने कहा-

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और 'द हंड्रेड' की फ्रेंचाइजी ने संयुक्त बयान जारी करके कहा है कि खिलाड़ियों को राष्ट्रीयता के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि ऐसी आशंका है कि इस प्रतियोगिता के लिए अगले महीने होने वाली नीलामी में भारतीय स्वामित्व वाली कम से कम चार टीमें पाकिस्तानी क्रिकेटरों को जानबूझकर नजरअंदाज कर सकती हैं।

आठ फ्रेंचाइजी में से चार मैनचेस्टर सुपर जायंट्स (आरपीएसजी ग्रुप), एमआई लंदन (रिलायंस), सदर्न ब्रेव (जीएमआर) और सनराइजर्स लीड्स (सन ग्रुप) के मालिक आईपीएल के टीमों के मालिक भी हैं और ब्रिटिश मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार ये टीमें नीलामी में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को लेने से परहेज कर सकती हैं।

पिछले साल 'द हंड्रेड' कि किसी भी टीम का मालिक भारतीय नहीं था। इसके बावजूद इस प्रतियोगिता के लिए केवल दो पाकिस्तानी खिलाड़ियों को चुना गया था। इस टूर्नामेंट के पहले पांच सत्र में पाकिस्तान के केवल 9 खिलाड़ी ही खेल पाए हैं। टीमों के नए मालिक इस सत्र से इन फ्रेंचाइजी का संचालन करेंगे।ईसीबी और आईपीएल से जुड़े मालिकों सहित 'द हंड्रेड' की सभी आठ फ्रेंचाइजी का स्वामित्व रखने वाले मालिकों ने संयुक्त बयान में कहा, द हंड्रेड की शुरुआत नए दर्शकों तक पहुंचने, क्रिकेट को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए की गई थी कि हर कोई, चाहे वह किसी भी जाति, लिंग, धर्म, राष्ट्रीयता या अन्य किसी भी आधार पर हो, हमारे खेल में अपनी जगह महसूस कर सके। खिलाड़ियों को उनकी राष्ट्रीयता के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए। बयान के अनुसार, टूर्नामेंट को संचालित करने के निकाय के रूप में ईसीबी यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भेदभाव के लिए कोई जगह न हो। किसी भी तरह के भेदभाव किए जाने पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए नियम बनाए गए हैं। बयान में कहा गया है, सभी आठ टीमें इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि खिलाड़ियों का चयन पूरी तरह से उनके प्रदर्शन, उपलब्धता और प्रत्येक टीम की जरूरतों के आधार पर होगा।पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने सोमवार को 'द हंड्रेड' में खेलने की इच्छा व्यक्त की थी।

मोदी के इजराइल पहुंचने पर प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा स्वागत है, मेरे मित्र

» यरुशलम, भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बुधवार को इजराइल पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने बेन गुरियन हवाई अड्डे पर मोदी की अगवानी की। प्रधानमंत्री मोदी की नौ वर्षों में इजराइल की यह दूसरी यात्रा है। जुलाई 2017 में इस देश की उनकी पहली यात्रा के दौरान भारत-इजराइल संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर ले जाया गया था। इजराइल के प्रधानमंत्री ने कहा, इजराइल में आपका स्वागत करना हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है, प्रधानमंत्री मोदी। नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से गले लगाकर अभिवादन किया। इसके बाद तेल अवीव से 20 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित हवाई अड्डे पर मोदी का औपचारिक स्वागत किया गया। मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा, मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू और श्रीमती नेतन्याहू ने हवाई अड्डे पर मेरा भव्य स्वागत किया। मैं द्विपक्षीय चर्चाओं और सार्थक परिणामों की आशा करता हूं जो भारत-इजराइल मित्रता को मजबूत करेंगे। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि उनका और मोदी का घनिष्ठ व्यक्तिगत संबंध है, हम अक्सर बात करते हैं और मेरा मानना है कि हमारे बीच की गहरी दोस्ती हमारे दोनों देशों के बीच संबंधों को सशक्त रूप से दर्शाती है। नेतन्याहू ने एक्स पर कहा, मेरी पत्नी सारा और मैंने आज अपने अच्छे मित्र, प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया, जो इजराइल की एक और ऐतिहासिक यात्रा के लिए पहुंचे हैं। स्वागत समारोह के बाद दोनों प्रधानमंत्रियों ने एक बैठक की। मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ एक शानदार मुलाकात हुई। आज पहले दिन में गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए मैंने उनके प्रति आभार जताया। नौ साल बाद इजराइल आने पर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा, हमने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई विषयों पर चर्चा की। प्रौद्योगिकी, जल प्रबंधन, कृषि, प्रतिभा साझेदारी आदि जैसे क्षेत्रों में घनिष्ठ सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। हमने क्षेत्र में हो रहे प्रमुख घटनाक्रम पर भी चर्चा की। इजराइल यात्रा पर रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री ने अपने वक्तव्य में कहा था कि उन्हें विश्वास है कि यह यात्रा भारत और इजराइल के बीच स्थाई संबंधों को और सुदृढ़ करेगी तथा रणनीतिक साझेदारी के लिए नए लक्ष्य निर्धारित करेगी। मोदी ने कहा, भारत और इजराइल के बीच एक मजबूत और बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी है, जिसमें हाल के वर्षों में उल्लेखनीय विस्तार और गतिशीलता देखी गई है। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ होने वाली चर्चाओं को लेकर आशान्वित हूं, जिनका उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी, नवाचार, कृषि, जल प्रबंधन, रक्षा एवं सुरक्षा तथा व्यापार एवं निवेश के साथ लोगों के बीच आपसी संबंधों समेत विभिन्न क्षेत्रों में हमारे सहयोग को और मजबूत करना है।

प्रधानमंत्री मोदी को इजराइल के स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल प्रदान किया गया

यरुशलम, भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बुधवार को भारत और इजराइल के बीच रणनीतिक संबंधों को सुदृढ़ करने में उनके असाधारण योगदान के लिए स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल से सम्मानित किया गया। भारतीय प्रधानमंत्री यह पदक पाने वाले पहले नेता हैं, जो इजराइली संसद नेसेट का सर्वोच्च सम्मान है। नेसेट स्पीकर अमीर ओहाना ने इजराइली संसद में अपने संबोधन के बाद प्रधानमंत्री को यह पदक प्रदान किया। यह पदक भारत और इजराइल के बीच रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री के असाधारण योगदान के वास्ते प्रदान किया गया है। मोदी ऐसे वैश्विक नेता हैं, जिन्हें इजराइल और फलस्तीन दोनों से शीर्ष पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी को 2018 में ग्रैंड कॉलर आफ द स्टेट ऑफ फलस्तीन से सम्मानित किया गया, जो विदेशी नेताओं के लिए सर्वोच्च फलस्तीनी सम्मान है। प्रधानमंत्री मोदी की पिछले नौ साल में यह दूसरी इजराइल यात्रा है।

ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के संयुक्त सत्र को संबोधित किया

ट्रंप ने अवैध भारतीय ट्रक चालक के कारण हादसे में घायल हुई लड़की को सम्मानित किया

» न्यूयॉर्क/ वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे एक भारतीय ट्रक चालक द्वारा कई वाहनों को टक्कर मारने के दौरान गंभीर रूप से घायल हुई एक छोटी बच्ची को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के मौके पर सम्मानित किया। इस दुर्घटना में बच्ची को गंभीर चोटें आई और फिलहाल वह दिव्यांग के रूप में जीवन जी रही है। यूएस कैपिटल (संसद परिसर) में अपने स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन में ट्रंप ने कहा कि जून 2024 में 18 पहिए वाले ट्रैक्टर-ट्रेलर ने बच्ची की खड़ी कार को टक्कर मार दी थी। उन्होंने बताया कि दलीला कोलमैन तब केवल पांच साल की थी।

उन्होंने कहा, ट्रक चालक एक अवैध प्रवासी था जिसे जो बाइडन ने देश में आने दिया था और कैलिफोर्निया के खुली सीमा के पक्षधर नेताओं ने उसे वाणिज्यिक चालक का लाइसेंस दिया था। अपने संबोधन में हालांकि ट्रंप ने चालक की पहचान नहीं बताई। पिछले साल अगस्त में अमेरिका में अवैध रूप से आए प्रताप सिंह को

कैलिफोर्निया में ट्रैक्टर-ट्रेलर को चलाते समय कई वाहनों को टक्कर मारने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जिसमें कोलमैन गंभीर रूप से घायल हो गई थी। ट्रंप ने कहा कि चिकित्सकों ने कहा था कि कोलमैन कभी चल-फिर या बोल नहीं पाएगी और न ही वह पहले की तरह बेहतर जीवन जी पाएगी। उन्होंने कहा, वह खाना भी नहीं खा पाती। लेकिन तमाम मुश्किलों के बावजूद वह अब पहली कक्षा में है, चलना सीख रही है और आज शाम अपने पिता के साथ यहां हमारे बीच है... कोलमैन ... आप एक प्रेरणा हो। वहां मौजूद सांसदों, विशेष अतिथियों ने खड़े होकर तालियां बजाकर कोलमैन का स्वागत किया। ट्रंप ने कहा कि कई अवैध प्रवासी अंग्रेजी नहीं बोलते हैं और दिशा, गति, खतरे या स्थान के बारे में सबसे बुनियादी सड़क संकेतों को भी नहीं पढ़ सकते हैं।

ट्रंप ने वाशिंगटन में गोलीबारी में घायल हुए नेशनल गार्ड के सदस्यों को सम्मानित किया

वाशिंगटन, भाषा।। वाशिंगटन में नेशनल गार्ड के गश्त करते समय सिर में गोली लग जाने से घायल हुए वायु सेना के स्टाफ सार्जेंट एंड्रयू वोल्फ को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन के दौरान मंगलवार को पर्पल हार्ट पदक से सम्मानित किया गया। ट्रंप ने अपने भाषण के दौरान वोल्फ और उनकी सहयोगी एवं अमेरिकी सेना की विशेषज्ञ सारा बेकस्ट्रॉम की सराहना की, जिसके बाद वेस्ट वर्जीनिया नेशनल गार्ड के प्रमुख जनरल जेम्स सेवर्ड ने वोल्फ को पदक अलंकरण किया। राष्ट्रपति ने कहा, ईश्वर की कृपा से एंड्रयू मौत के मुंह से वापस आगए और चमत्कारी रूप से ठीक हो गए हैं। ट्रंप ने उनकी मां के उस दृढ़ संकल्प को याद किया कि वह ठीक हो जाएंगे, जबकि अन्य लोगों को उनकी गंभीर चोटों के कारण उनके जीवित बच पाने पर संदेह था राष्ट्रपति के संबोधन के दौरान एंड्रयू वोल्फ की मां भावुक होकर अपने बेटे से लिपट गई।

सीआईए ने ईरान में मुखबिरों को मदद की पेशकश की

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान में सैन्य हमलों पर विचार करने के बीच अमेरिकी केंद्रीय खुफिया एजेंसी ने मंगलवार को ईरान में संभावित मुखबिरों को मदद की पेशकश की और सुरक्षित रूप से संपर्क करने के तरीकों के बारे में फारसी भाषा में निर्देश दिए। फारसी, कोरियाई, रूसी और मंदारिन भाषाओं में भेजे गए भर्ती संदेशों की श्रृंखला में यह हालिया पोस्ट है जिसे केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) से संपर्क करने के सुरक्षित तरीके बताए गए हैं। मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स, इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर पोस्ट किया गया फारसी भाषा का यह संदेश ऐसे समय में आया है जब अमेरिका-ईरान संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं और ईरान की सरकार को देश में नए विरोध प्रदर्शनों का सामना करना पड़ रहा है। ईरान के साथ तनाव बढ़ने के कारण अमेरिका ने पश्चिम एशिया में पिछले कुछ दशकों में अपनी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति तैनात की है। ट्रंप ने जनवरी में ईरान में हुए देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर सरकार की कड़ी कार्रवाई के जवाब में सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी थी। इसके बाद उन्होंने ईरान को विवादित परमाणु कार्यक्रमों के संबंध में समझौता करने की चेतावनी दी। परमाणु वार्ता का एक और दौर इस सप्ताह के अंत में होने वाला है। ईरान में नए सिरे से अशांति के संकेत मिल रहे हैं क्योंकि सोमवार को राजधानी तेहरान के विश्वविद्यालयों में छात्रों ने सरकार विरोधी प्रदर्शन किए। केंद्रीय खुफिया एजेंसी ने संदेश में लिखा, नमस्कार। एजेंसी आपकी बात सुन रही है और आपकी मदद करना चाहती है। यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं कि आप हमारे साथ सुरक्षित तरीके से डिजिटल माध्यम से फोन पर बात कैसे कर सकते हैं। फारसी भाषा में लिखे इस पोस्ट को कुछ ही घंटों में लाखों बार देखा गया। एजेंसी ने यह नहीं बताया कि पहले के भर्ती वीडियो से कोई जानकारी या नए स्रोत मिले हैं या नहीं, लेकिन इसके निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने कहा है कि इन पोस्ट का असर दिख रहा है।

भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की एक अडिग नीति अपनाता है : मोदी

यरुशलम, भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि इजराइल की तरह, भारत भी आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की एक सुसंगत और अडिग नीति अपनाता है। मोदी ने इजराइल की संसद नेसेट को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिकों की हत्या और आतंकवाद को किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए निरंतर और समन्वित वैश्विक कार्रवाई की आवश्यकता है, क्योंकि दुनियाभर में कहीं भी आतंकवाद शांति के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि इस समय भारत पूरी दृढ़ता के साथ इजराइल के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सात अक्टूबर, 2023 को हमास द्वारा किए गए बर्बर आतंकवादी हमले की निंदा की और कहा, हम आपके दर्द को महसूस करते हैं, हम आपके शोक में आपके साथ हैं। उन्होंने कहा कि भारत गाजा में शांति की पहल का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, शांति का मार्ग हमेशा आसान नहीं होता, लेकिन भारत इस क्षेत्र में संवाद, शांति और स्थिरता के लिए आपके और विश्व के साथ खड़ा है। मोदी ने कहा, मैं 1.4 अरब भारतीयों की ओर से शुभकामनाएं और मित्रता, सम्मान और साझेदारी का संदेश लेकर आया हूं। उन्होंने कहा, हमारी सहभागिता का दायरा और विस्तार बढ़ा है और हम कई क्षेत्रों में इस संबंध को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

न्यूज ब्रीफ

वेनेजुएला में क्षमा कानून लागू होने के बाद 3,200 से अधिक लोगों को रिहा किया गया

» काराकस, भाषा। वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के एक विशेष आयोग ने ऐलान किया है कि नए क्षमा कानून के लागू होने के चार दिन में 3,200 से अधिक लोगों को पूर्ण रूप से रिहा किया जा चुका है। रिहा होने वालों में जेल से छोड़े गए कैदियों के साथ-साथ वे लोग भी शामिल हैं जिन्हें पहले घर पर नजरबंद या अन्य प्रतिबंधों के तहत रखा गया था। आयोग के प्रमुख सांसद जॉर्ज अरेआज़ा ने मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अब तक इस कार्यक्रम के तहत रिहाई के लिए 4,203 आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि अनुरोधों के मूल्यांकन के बाद 3,052 लोगों को घर पर नजरबंदी या अन्य प्रतिबंधों से पूर्ण स्वतंत्रता दी गई है, जबकि 179 अन्य को जेल से रिहा किया गया है।

यह कानून उस घोषणा के कुछ समय बाद आया है जिसमें तीन जनवरी को तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका द्वारा पकड़े जाने बाद सरकार ने कई कैदियों को छोड़ने का संकेत दिया था। हालांकि, परिवारों और मानवाधिकार निगरानी समूहों ने रिहाई की धीमी गति और रिहा किए गए लोगों पर लगाए गए प्रतिबंधों की आलोचना की है। क्षमा कानून में उन व्यक्तियों को रिहा नहीं किया जाएगा जो हत्या, मादक पदार्थ की तस्करी, सैन्य विद्रोह या गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों के दोषी पाए गए हैं। वेनेजुएला में कैदियों के अधिकारों को लेकर आवाज उठाने वाले समूह फोरो पेनल ने बताया कि उसने क्षमा कानून लागू होने के बाद केवल 91 राजनैतिक रिहाई को सत्यापित किया है।

श्रीलंका में हुए ईस्टर हमले की जांच के सिलसिले में पूर्व खुफिया प्रमुख गिरफ्तार

» कोलंबो, भाषा। श्रीलंका के पूर्व राज्य खुफिया सेवा प्रमुख सुरेश सैली को 2019 के ईस्टर बम धमाकों की जांच के सिलसिले में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, सैली को पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने कोलंबो के उपनगर पेलियागोड़ा में उस समय हिरासत में लिया, जब वह एक गैर-सरकारी संगठन में काम करने जा रहे थे। उनकी गिरफ्तारी 2019 के ईस्टर संडे धमाकों से जुड़ी है। साल 2019 में ईस्टर पर कोलंबो के गिरजाघरों और पांच सितारा होटलों में हुए हमलों में 11 भारतीयों सहित 270 लोगों की मौत हुई थी। हमलों के समय सैली विदेश में राजनयिक पद पर तैनात थे। सेवानिवृत्त मेजर जनरल सैली 2015 से पहले राजपक्षे सरकार के दौरान राज्य खुफिया सेवा के प्रमुख रह चुके थे।

ये समन्वित हमले एक स्थानीय उग्रवादी संगठन द्वारा किए गए थे। आरोप लगे थे कि हमलों से पहले रक्षा प्रतिष्ठान को आसन्न हमले की खुफिया जानकारी थी, जिसमें भारत द्वारा साझा की गई चेतावनियां भी शामिल थीं, लेकिन समय रहते कार्वाई नहीं की गई। तत्कालीन राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना के नेतृत्व वाली सरकार पर भी भारत से मिली खुफिया जानकारी के बावजूद हमलों को रोकने में निष्क्रियता बरतने के आरोप लगे थे। वर्तमान नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) सरकार ने 2024 के अंत में ईस्टर आतंकवादी हमलों की जांच दोबारा शुरू की थी और कहा था कि पहले राजनीतिक प्रभाव के कारण मामले को दबाया गया। गिरफ्तारी को लेकर पुलिस का आधिकारिक बयान आना बाकी है।

ईरान को लेकर बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी विमानवाहक पोत के विरोध में यूनानी द्वीप पर प्रदर्शन

» चानिया (यूनान), भाषा। पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य जमावड़े के तहत एक अमेरिकी विमानवाहक पोत के पहुंचने के बाद यूनानी द्वीप क्रेट पर मंगलवार देर रात प्रदर्शन किया गया। दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड सोमवार को क्रेट स्थित सूडा बे में अमेरिकी नौसैनिक अड्डे पर पहुंचा।

यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी है। यह शांतिपूर्ण रैली ग्रीक कम्युनिस्ट पार्टी के समर्थन से पास के बंदरगाह शहर चानिया में आयोजित की गई। प्रदर्शनकारियों ने अंग्रेजी में किलर्स (हत्यारे) की स्पेलिंग के अलग-अलग अक्षरों वाले पोस्टर थाम रखे थे। ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भविष्य को लेकर क्षेत्रीय तनाव एक बार फिर बढ़ गया है।

ब्रिटेन ने डिजिटल यात्रा प्रणाली लागू की, भारतीयों के लिए ई वीजा अनिवार्य

» लंदन, भाषा। ब्रिटेन में बुधवार से लागू हो रहे नए नियमों के तहत एक डिजिटल पारगमन प्रणाली शुरू हो रही है, जिसमें भारतीय यात्रियों के लिए अनिवार्य ई-वीजा और बिना वीजा वाले आगंतुकों के लिए इलेक्ट्रॉनिक यात्रा अनुमति (ईटीए) लेना शामिल है। हाल के वर्षों में चरणबद्ध तरीके से लागू किए गए इस कार्यक्रम के तहत नई प्रक्रिया कागज आधारित वीजा स्टिकर की जगह लेगी। हालांकि, नई प्रणाली में बायोमेट्रिक पंजीकरण के लिए आवेदन केंद्र पर व्यक्तिगत रूप से जाना आवश्यक होगा, लेकिन इससे प्रक्रिया अवधि के दौरान पासपोर्ट दस्तावेज छोड़ कर जाने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।

ब्रिटेन के प्रवासन और नागरिकता मंत्री माइक टैप ने कहा, मैं ब्रिटेन की यात्रा करने के इच्छुक सभी लोगों से आग्रह करूंगा कि वे यात्रा के लिए पूरी तरह से तैयार रहें और उनके पास आवश्यक अनुमति हो, ताकि उनकी यात्रा सुगम हो सके। ब्रिटेन आने वाले यात्रियों के लिए डिजिटल यात्रा अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा, जिसका अर्थ है कि यदि यात्रियों के पास ई-वीजा, ईटीए या अन्य वैध दस्तावेज नहीं हैं तो एयरलाइन उन्हें विमान में सवार होने से रोक सकती है। ब्रिटेन सरकार ने पिछले साल ई-वीजा प्रणाली शुरू की थी और इस सप्ताह तक भौतिक दस्तावेज स्वीकार किए गए हैं। गृह मंत्रालय ने उस समय कहा था, ई-वीजा न तो खो सकता है, न चोरी हो सकता है और न ही इसमें छेड़छाड़ की जा सकती है। यह वीजा धारकों को तुरंत और सुरक्षित रूप से अपने आव्रजन अधिकारों को साबित करने की सुविधा देता है। ई-वीजा प्राप्त करने से यात्री के वर्तमान अधिकारों या आव्रजन स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं होगा। ब्रिटेन की सीमा और आव्रजन प्रणाली को पूरी तरह से डिजिटल करने की योजनाओं के तहत, भौतिक बायोमेट्रिक निवास परमिट (ऐसा पासपोर्ट जिसमें वीजा विग्नेट स्टिकर या स्याही वाली मुहर लगी हो और जो देश में उनके अनिश्चितकालीन प्रवेशानिवास की अनुमति की पुष्टि करती हो) या बायोमेट्रिक निवास कार्ड का उपयोग उनके आव्रजन अधिकारों के प्रमाण के रूप में करने वाले सभी लोगों को पूरी तरह से ऑनलाइन ब्रिटिश वीजा और आव्रजन प्रणाली में स्थानांतरित कर दिया गया है। गृह मंत्रालय ने कहा कि ई-वीजा को अपनाने के माध्यम से वह कई वर्षों से भौतिक दस्तावेजों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर रहा है और अब तक एक करोड़ से अधिक ई-वीजा जारी किए जा चुके हैं। अमेरिका, कनाडा और फ्रांस के नागरिकों सहित 85 देशों के ऐसे आगंतुक जिन्हें वीजा की आवश्यकता नहीं होती है, उन्हें अब ब्रिटेन की यात्रा करते समय ईटीए की आवश्यकता होगी।

दक्षिण-पूर्व ब्राजील में भयावह बाढ़ से कम से कम 25 की मौत

जुइज डी फोरा (ब्राजील), भाषा। दक्षिण-पूर्व ब्राजील में आई भयंकर बाढ़ में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई है और मिनास गेरैस राज्य में दर्जनों लोग लापता हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों में इस इलाके में और बारिश होने की आशंका है। रियो डी जेनेरियो से लगभग 310 किलोमीटर उत्तर में जुइज डी फोरा और उबा शहरों में सोमवार को मूसलाधार बारिश शुरू हुई, जिससे लगभग 440 लोगों को अपने घर छोड़कर दूसरी जगहों पर जाना पड़ा। मिनास गेरैस के दमकल विभाग का कहना है कि वह सोमवार देर रात से लापता 43 लोगों की तलाश कर रहा है। विभाग द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में जुइज डी फोरा और उबा में सडकों पर पानी भरा हुआ देखा गया।

रूस के खिलाफ हमले में अमेरिकी तेल हितों पर असर पड़ा, अमेरिका ने जताई चिंता: यूक्रेन की राजदूत

» वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका में यूक्रेन की मुख्य दूत ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी विदेश विभाग ने काला सागर स्थित रूसी बंदरगाह नोवोरोस्सियस्क पर यूक्रेन के उन हालिया हमलों को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की है, जिनसे कजाकिस्तान में अमेरिकी तेल हितों पर असर पड़ा है। राजदूत ओल्गा स्टेफनिशिना ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के चार साल पूरे होने के मौके पर अमेरिका की चिंता को रेखांकित किया। स्टेफनिशिना ने वाशिंगटन में पत्रकारों से कहा, यह पहल यूक्रेन को रूसी सैन्य और ऊर्जा अवसंरचना पर हमला करने से रोकने के लिए प्रोत्साहित करने से संबंधित नहीं थी। यह इस तथ्य से संबंधित थी कि इससे अमेरिकी आर्थिक हित प्रभावित हुए थे। ऐसा हुआ था और हमने इस पर संज्ञान लिया है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इस संबंध में टिप्पणी के अनुरोध पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। कैस्पियन पाइपलाइन कंसोर्टियम उत्तर-पश्चिमी कजाकिस्तान में कैस्पियन सागर तट से नोवोरोस्सियस्क बंदरगाह तक एक पाइपलाइन का संचालन करता है। यह पाइपलाइन कजाकिस्तान के तीन प्रमुख तेल क्षेत्रों से कच्चे तेल के निर्यात का एक

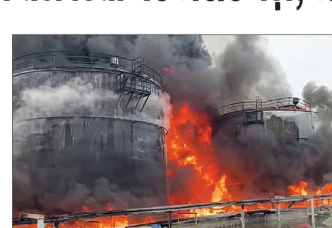

बड़ा हिस्सा संभालती है, जिनमें प्रमुख अमेरिकी ऊर्जा कंपनियों, शेवरॉन और एक्सॉनमोबिल की हिस्सेदारी है। प्रमुख औद्योगिक देशों के जी7 समूह ने मंगलवार को युद्ध के चार साल पूरे होने पर एक बयान जारी कर यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता, अस्तित्व के अधिकार, स्वतंत्रता, संप्रभुता और स्वाधीनता की रक्षा के लिए अपने अटूट समर्थन की पुष्टि की। बयान में रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौता कराने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रयासों की भी सराहना की गई। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मंगलवार को यूक्रेन के समर्थन में एक प्रस्ताव भी पारित किया, लेकिन अमेरिका उन 51 देशों में से एक था जिन्होंने मतदान में भाग नहीं लिया।

रूस ने टेलीग्राम ऐप के संस्थापक पावेल डुरोव के खिलाफ जांच शुरू की

मॉस्को, भाषा। टेलीग्राम ऐप के संस्थापक पावेल डुरोव ने मंगलवार को दावा किया कि रूस की सरकार ने उनके खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों में सहायता करने के आरोप में आपराधिक जांच शुरू की है। रूस में जन्मे और इसी देश में अपना कॅरियर शुरू करने वाले डुरोव ने मॉस्को पर आरोप लगाया कि वह टेलीग्राम तक रूसी नागरिकों की पहुंच सीमित करने के लिए मनगढ़ंत बहाने बना रहा है। रूसी मीडिया में इससे पहले अपुष्ट खबरें आई थीं कि रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने डुरोव के खिलाफ आपराधिक जांच शुरू कर दी है। यह घटनाक्रम उस बयान के दो सप्ताह बाद सामने आया है जब रूस के संचार नियामक रोसकॉमनादजोर ने टेलीग्राम पर प्रतिबंधात्मक कदम उठाने की घोषणा की थी और इस ऐप पर रूसी कानूनों का पालन न करने का आरोप लगाया था। टेलीग्राम पर कार्रवाई के फैसले से देश में असामान्य सार्वजनिक विरोध देखने को मिला। यहां तक कि क्रेमलिन समर्थित कई सैन्य ब्लॉग लेखकों ने भी इसकी आलोचना की और चेतावनी दी कि यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के बीच टेलीग्राम व्यापक रूप से इस्तेमाल होता है।

अमेरिका में सिख व्यक्ति का अपहरण कर हत्या अधिकारियों ने कहा कि इरादतन निशाना नहीं था

न्यूयॉर्क, भाषा। अमेरिका में 57 वर्षीय एक सिख व्यक्ति का अपहरण किए जाने के कुछ दिन बाद उसका शव बरामद हुआ। अधिकारियों का कहना है कि उस व्यक्ति को इरादतन निशाना नहीं बनाया गया। अवतार सिंह 17 फरवरी को रात करीब नौ बजे कैलिफोर्निया के ट्रेसी शहर से लापता बताए गए थे। जांच के दौरान सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में एक सफेद एसयूवी और गहरे रंग के कपड़े पहने तीन अज्ञात व्यक्तियों को सिंह के साथ दोपहर करीब ढाई बजे देखा गया। अधिकारियों के अनुसार, ऐसा लगा कि सिंह अपनी मर्जी के विरुद्ध वाहन में बैठे। सैन जोआक्विन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि 20 फरवरी को दोपहर करीब तीन बजकर 20 मिनट पर नापा काउंटी के शेरिफ कार्यालय ने लेक बेरीएसा के पास एक शव बरामद किया, जो लापता व्यक्ति के विवरण से मेल खाता था। अधिकारियों ने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है और इस ‘भयावह कृत्य’ के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने का प्रयास जारी है। शेरिफ कार्यालय ने कहा, वर्तमान में उपलब्ध जानकारी के आधार पर यह एक अलग-थलग घटना प्रतीत होती है और समुदाय के लिए किसी खतरे की जानकारी नहीं है। समाचार पोर्टल केसीआरए डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, सैन जोआक्विन काउंटी के शेरिफ पैट्रिक विद्रो ने कहा कि इस मामले में आरोपियों का इरादा सिंह का अपहरण करना और उनकी हत्या करना नहीं था।

पार्टी के कुछ सांसदों ने भाषण में शामिल न होकर अपना विरोध दर्ज कराया

ट्रंप का मध्यावधि चुनाव से पहले मतदाताओं को साधने का प्रयास, जीत का भरोसा जताया

» वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को संसद में अपने स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन के दौरान मध्यावधि चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि हम जीत रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने घरेलू स्तर पर रोजगार और विनिर्माण में तेजी लाई है, जबकि विदेशों में एक नई वैश्विक व्यवस्था स्थापित की है। ट्रंप को उम्मीद है कि अपनी उपलब्धियों की लंबी सूची पेश करने से उनकी गिरती लोकप्रियता रेटिंग में सुधार आ सकता है। ट्रंप की इस घोषणा का उद्देश्य अमेरिकी नागरिकों को यह यकीन दिलाना था कि अर्थव्यवस्था मजबूत है और अमेरिकी नागरिकों को नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन का साथ देकर इसी तरह की अर्थव्यवस्था के लिए मतदान करना चाहिए।

लंबी लाल टाई और नीला सूट पहने हुए ट्रंप जब सदन में भाषण देने पहुंचे तो रिपब्लिकन सांसदों ने यूएसए, यूएसए के नारे लगाए। वहीं अधिकतर डेमोक्रेट बिना ताली बजाए अपने स्थानों पर बैठे रहे। पार्टी के कुछ सांसदों ने भाषण में शामिल न होकर अपना विरोध दर्ज कराया। ट्रंप ने सदन की कार्यवाही शुरू होने पर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अमेरिकी पुरुष हॉकी टीम को तालियों की गडगड़ाहट के बीच सदन में आमंत्रित किया। टीम व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के दौरे के बाद संसद भवन पहुंची थी। ट्रंप ने टीम का परिचय देने से पहले कहा, हमारा देश फिर से जीत रहा है। वास्तव में, हम हर क्षेत्र में जीत रहे हैं। लोग मुझसे कहते हैं कि हम हर क्षेत्र में

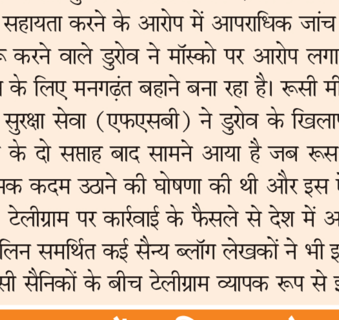

जीत रहे हैं और आपके आने से पहले हमारे देश में जीत की कोई आदत नहीं थी। अपने पदक पहने और बड़े अक्षरों में यूएसए लिखे स्वेटर पहने हॉकी खिलाडियों के सम्मान में दोनों दलों के सदस्यों ने खड़े होकर तालियां बजाई। ट्रंप ने सदन के डेमोक्रेटिक पक्ष की ओर इशारा करते हुए चुटकी ली, मैंने उन्हें पहली बार खड़े होते देखा है। ट्रंप ने घोषणा की कि वह हॉकी टीम के गोलकीपर कॉनर हेलेब्यूक को अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम प्रदान करेंगे। ट्रंप ने 2020 में भी इसी तरह की एक आश्चर्यजनक घोषणा की थी, जिसमें उन्होंने अपने संबोधन के दौरान रेडियो होस्ट रश लिम्बो के लिए इस पुरस्कार की घोषणा की थी। राष्ट्रपति ने यह भी घोषणा की कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी तकनीकी कंपनियां उन क्षेत्रों में बिजली की दरें बढ़ाने पर सहमत हो रही हैं जहां उनके डेटा सेंटर स्थित हैं। डेटा सेंटर बड़ी मात्रा में बिजली का उपयोग करते हैं, जिससे उस क्षेत्र के अन्य उपभोक्ताओं के लिए बिजली की लागत बढ़ सकती है। ट्रंप ने पिछले सप्ताह अमेरिका के उच्चतम न्यायालय द्वारा उनकी कई प्रमुख शुल्क नीतियों को रद्द करने के फैसले का जिक्र करते हुए इसे एक दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय बताया और कहा कि अदालत के फैसले से पहले सब कुछ ठीक चल रहा था। ट्रंप के इस बयान के दौरान डेमोक्रेट सदस्यों को ताली बजाते हुए देखा गया। ट्रंप ने कहा कि वह आयात पर कर लगाने के लिए वैकल्पिक कानूनों का इस्तेमाल करते हुए आगे बढ़ेंगे। उन्होंने सांसदों से कहा, कांग्रेस (संसद) की कार्रवाई इसके लिए आवश्यक नहीं होगी। ट्रंप ने शुल्क के बारे में कहा, इसने हमारे देश को बचाया है और साथ ही यह भी कहा कि यह शांति का रक्षक भी रहा है। उन्होंने कहा, यह सच में सदियों के लिए बहुत बड़ा बदलाव है। ट्रंप का भाषण शुरू होने से पहले व्हाइट हाउस की तरफ से जारी उसके कुछ हिस्सों में कहा गया कि ट्रंप यह संकल्प लेंगे कि, आगे बढ़ते हुए, अमेरिका में फैक्टरियां, नौकरियां, निवेश और ट्रिलियन डॉलर आते रहेंगे।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com